प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-122 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 28 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अब एनओसी के बिना नहीं मिलेगा व्यापार का लाइसेंस

बिजली कनेक्शन भी एनओसी पर ही मिल सकेगा

बेसमेंट में व्यापार लाइब्रेरी और कोचिंग तो नहीं

यूनिक समय, मथुरा। अब तक बेसमेंट में लाइब्रेरी, कोचिंग सेंटर और व्यापार संचालित करने वालों के लिए यह समाचार विशेष हैं। अब बेसमेंट मेंयह सब नहीं चलेगा, जबकि अब बिना एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के तो बहुमंजिला इमारत में कोई व्यापार ही संचालित नहीं होगा। इसके लिए संबंधित विभाग से एनओसी जरूर लेनी होगी। बिजली कनेक्शन भी अब नएओसी पर ही मिलेगा। वहीं, प्रशासन ने मानक पूरा करनेके लिए कोचिंग सेंटर चलाने वालों को कुछ राहत दी है।

अब तक शहर और वृंदावन के अलावा जिले के कस्बों में बेसमेंट में बिना एनओसी जिम, लाइब्रेरी, कोचिंग सेंटर, व्यापार और अस्पताल के अलावा होटल- रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं। लखनऊ कोचिंग हादसे से पहले प्रशासन ने धौली प्याऊ और वृंदावन के ऐसे कई होटल- रेस्टारेंट को अग्निशमन से जुड़ी एनओसी नहीं होने और अन्य कमियां मिलने पर नोटिस जारी किए थे। लखनऊ कोचिंग हादसे के बाद तो प्रशासन कार्रवाई के मूड़ में आ गया। अब प्रशासन और एमवीडीए, अग्नि शमन और विप्रा ने तीन दर्जन से अधिक ऐसे भवनों को सील किया है, जिनके पास एनओसी नहीं थी, या अन्य कमियां थीं। अब प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बेसमेंट में तो कोई काम नहीं होने दिया जाएगा, यह वाहन खड़ा करने के लिए होता है। व्यापार और अन्य गतिविधियां संचालित करने के लिए नहीं होता है। नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र ने बताया कि बेसमेंट में तो कोचिंग, लाइब्रेरी और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित नहीं होने दी जाएंगी। बहुमंजिला इमारत में व्यापार के लिए संबंधित विभागों से एनओसी तो जरूरी होगी। अब बिजली कनेक्शन भी एनओसी होने पर ही मिलेगा। वहीं, शटर बंद करके गए संचालक अब शपथ पत्र देकर मानक पूरा कराने को समय मांग रहे हैं, कोचिंग वालों को शपथपत्र पर कुछ दिन का समय दिया जा रहा है।

तोड़ दी सील, होने लगा कारोबार

शनिवार को गोविंद नगर के लड्डू गोपाल होटल में विप्रा की ओर से लगाई सील, दूसरे चित्र में रविवार को यह सील उखाड़ दी गई।

होटल संचालक ने प्रशासन को रखा ठेंगे पर

सील लगी होने के बाद भी कर रहे कारोबार

यूनिक समय, मथुरा। एनओसी न होने के बाद अवैध तरीके से कारोबार संचालित करने वाले कारोबारियों ने प्रशासन को ठेंगे पर रख दिया है। निरीक्षण के दौरान भवन में कमियां मिलने पर लगाई गई सील को कई कारोबारियों ने तोड़ दिया हैं, धड़ल्ले से कारोबार संचालित कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग तो सील लगी होने के बाद व्यापारिक गतिविधियों को चला रहे हैं। प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब चार दर्जन के करीब होटल- रेस्टोरेंट और कोचिंग सेंटर को सील कर चुका है, जबकि कुछ कमियों पर नोटिस भी दिए गए हैं।

शनिवार को प्रशासन और विप्रा की टीम ने जन्मभूमि क्षेत्र में कई होटल- रेस्टोरेंट पर कार्रवाई की, अग्निशमन आदि से जुड़ी कमियों पर सील भी लगाई गई। अब विप्रा की ओर से लगाई गई सील को होटल संचालकों ने उखाड़ फेंका है। व्यापारिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जानकारों का दावा है कि ऐसा करने के लिए कार्रवाई में शामिल एक विभाग के अधिकारी ने प्रेरणा दी है। वहीं, कुछ कारोबारी सील लगी होने के बाद भी कारोबार कर रहे हैं। इस पर विप्रा के अधिकारी सोमवार को कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं।

लखनऊ कोचिंग हादसे से पहले प्रशासन ने शहर के धौलीप्याऊ और वृंदावन में कुछ होटलों का निरीक्षण किया था, कमियां मिलने पर नोटिस भी दिए गए। इसके बाद लखनऊ हादसा हो गया तो प्रशासन मथुरा-वृंदावन में संचालित बिना एनओसी वाले रेस्टोरेंट और होटल, अस्पताल, कोचिंग संचालकों को नोटिस दिए गए। चार दिन की ऐसी कार्रवाई के दौरान प्रशासन शिकायतों का ग्राफ भी बढ़ने लगा है।

सर, यहां अवैध भवन में हो रहा है काम

प्रशासन की एनओसी और मानक विहीन भवनों पर सील लगाने की कार्रवाई के बाद अब लोग जागरुकता दिखाते हुए प्रशासन के पास पहुंचे रहे हैं। अमानक भवनों की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध करा रहे हैं, इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिनका भवन सील हो गया है, जबकि पड़ोसी का बच गया है। ऐसे भवनों की शिकायत आने से प्रशासन का काम अब आसान होने लगा है।

जिले की तीन सड़कों को गड्ढा मुक्त करेगी मंडी समिति

यूनिक समय, मथुरा। करीब 90 लाख रुपये की धनराशि खर्च करके मंडी समिति जिले की तीन सड़कों को गड्ढा मुक्त करेगी। करीब 3.80 किलोमीटर के इस काम पर यह राशि खर्च होगी। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के आयुक्त- निदेशक इंद्र विक्रम की ओर से यह जानकारी डीएम को दी गई है। तीन सड़कों के गड्ढा मुक्त होने के बाद ग्रामीण और वाहन चालकों को काफी राहत भी मिलेगी।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि राज्य कृषि का उत्पादन मंडी परिषद की ओर से वित्तीय वर्ष 2026- 27 में गड्ढा मुक्ति करण योजना के अंतर्गत जिले के तीन संपर्क मार्गों की मरम्मत के लिए काम कराया जाएगा, इसके लिए करीब 90 लाख रुपए का बजट भी जारी किया गया है। इस धनराशि में पांच साल तक अनुरक्षण की लागत भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के आयुक्त निर्देशक इंद्र विक्रम सिंह की ओर से तीन सड़कों के करीब 3.80 किलोमीटर गड्ढों को भरने के लिए 88.98 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है, काम को शीर्ष प्राथमिकता पर करने को कहा गया है। डीएम ने बताया कि मंडी परिषद की ओर से राया– सोनई से तेहरा संपर्क मार्ग को सही किया जाएगा। इस मार्ग पर 0.80 किलोमीटर गड्ढा मुक्ति करण का काम होगा, जिस पर करीब 19.50 लाख रुपये की धनराशि खर्च होगी, जबकि राया–सादाबाद मार्ग स्थित तमका से अलीगढ़ सीमा तक करीब 1.20 किलोमीटर की सड़क के काम पर 31.21 लाख रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। डीएम के अनुसार, जुल्हैंदी से भदाल मार्ग का भी गड्ढामुक्त किया जाएगा 1.80 किलोमीटर वाले इस मार्ग पर करीब 38.26 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

3.80 मीटर लंबी सड़कों के गड्ढे भरने पर खर्च होंगे 90 लाख रुपये

राज्य कृषि उत्पादन मंडी ने जारी किया बजट

गर्मी में लस्सी बनी लोगों की पहली पसंद

लस्सी–छाछ ने कोल्ड ड्रिंक्स को पछाड़ा

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी और स्वाद ने अब लोगों की पसंद बदल दी है। कभी बाजार में कोल्ड ड्रिंक्स का दबदबा रहता था, लेकिन अब शहर और जिले की दुकानों में लस्सी, छाछ और दूसरे पारंपरिक पेय तेजी से लोगों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। श्रीकृष्ण की नगरी में दूध और दही की समृद्ध परंपरा होने के कारण स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु भी देसी पेयों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं।

होली गेट, छत्ता बाजार, विश्राम घाट, द्वारिकाधीश मंदिर और वृंदावन के प्रमुख मार्गों पर लस्सी और छाछ की दुकानों पर सुबह से शाम तक भीड़ देखी जा रही है। लस्सी बेचने वाले मोहन मिष्ठान भंडार के मालिक गणेश का कहना है कि इस बार गर्मी में बिक्री पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ी है। वहीं, शहर के अलावा वृंदावन और अन्य स्थानों पर कई दुकानों पर स्वाद बढ़ाने के लिए केसर, इलायची, गुलाब, पुदीना और मटके में ठंडी की गई छाछ भी परोसी जा रही है। बाजार के विश्लेषकों का मानना है कि अब लोग केवल स्वाद नहीं, बल्कि सेहत को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। कोविड के बाद स्वास्थ्य के प्रति बढ़ी जागरूकता ने प्रोबायोटिक और कम शक्कर वाले पेयों की मांग बढ़ाई है। लस्सी और छाछ पाचन में सहायक होने के साथ शरीर को लंबे समय तक ठंडक भी पहुंचाती हैं। यही कारण है कि युवा वर्ग भी कार्बोनेटेड ड्रिंक्स की बजाय इन पारंपरिक पेयों को अपनाने लगा है। उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार लस्सी और छाछ की बाजार वृद्धि दर कोल्ड ड्रिंक्स की तुलना में कई गुना अधिक है। डेयरी पेयों पर कम जीएसटी और 10 रुपये जैसे किफायती पैक भी उनकी लोकप्रियता बढ़ा रहे हैं।

दूध–दही की संस्कृति के लिए प्रसिद्ध कान्हा की नगरी में यह बदलाव केवल बाजार का नहीं, बल्कि जीवनशैली का संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही रुझान जारी रहा तो आने वाले वर्षों में ब्रज की पारंपरिक लस्सी और छाछ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती देंगी।

स्वास्थ्य और स्वाद ने बदली प्राथमिकता

ग्राम पंचायतों ने न कराया काम,न खर्च की धनराशि

सचिव और प्रधानों की मनमानी से जिला की रैंक हो रही प्रभावित

डीपीआरओ ने दी है चेतावनी, वेतन रोकने के दिए गए हैं निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। खजाने में धन होने के बाद भी ग्राम सरकार खर्च करने में कंजूसी बरत रही हैं। एक दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों के सचिव और प्रशासक प्रधानों की वजह से जिले की रैंक खराब हो रही है, लेकिन इसके बाद भी धनराशि खर्च करने में कोताही बरती जा रही है। ऐसे हालातों पर डीपीआरओ ने संबंधित सचिवों को चेतावनी दी है। सुधार नहीं होने पर वेतन रोकने को कहा है।

ग्राम पंचायतों को विकास और सामग्री आदि की खरीदारी के लिए पंचायती राज विभाग के माध्यम से राज्य वित्त आयोग सहित विभिन्न मदों में धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। इससे पंचायतें कार्ययोजना के अनुसार, गांवों में काम और उन पर भुगतान करती हैं। जिले में 495 ग्राम पंचायतों में से करीब एक दर्जन ग्राम पंचायतों ने चालू वित्तीय वर्ष में कोई भी काम नहीं कराया है। इससे वहां पर न तो काम हुए और न ही भुगतान किए गए। इससे इन ग्राम पंचायतों में खर्च की स्थिति ई–ग्राम स्वराज के गेटवे पोर्टल पर प्रदर्शित हो रही है। ग्राम पंचायतों को राज्य वित्त आयोग के साथ ही केंद्रीय वित्त आयोग की मद में भी रुपये दिए जा रहे हैं। वहीं इन ग्राम पंचायतों में काम और खर्च न किए जाने से कार्ययोजना, शासन की मंशा पूरी और आमजन को मिलने वाली सुविधा–सहूलियत नहीं मिल पा रही है। ऐसे हालात डीपीआरओ धनजंय जायसवाल की समीक्षा में सामने आया है। उन्होंने संबंधित सचिवों को सुधार नहीं होने पर वेतन रोकने की चेतावनी दी है।

प्रशासकों से नहीं मिल रहे गुण

नंदगांव और गोवर्धन ब्लाक की चार ऐसी पंचायतें हैं, जहां अब भी सचिव और प्रशासक प्रधान के बीच मन नहीं मिल रहे हैं। इन ग्राम पंचायतों में न विकास हो रहा है, न धनराशि खर्च की जा रही है। बताते हैं कि एक सचिव ने कारवाई की बात कहने पर डीपीआरओ को वर्तमान प्रशासक प्रधान होने पर भुगतान से साफ मना कर दिया, यह पंचायत नंदगांव ब्लाक की बताई है।

मथुरा में तापमान 40 डिग्री पार, उमस से लोग हुए बेहाल

बादलों से नहीं मिल रही राहत, सुबह चल रही शीतल बयार

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में तापमान फिर 40 डिग्री सेल्सियस पार पहुंचने और भीषण उमस के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आईं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से निकले। बादलों की आवाजाही के बावजूद भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। उमस के कारण लोग बेहाल हो रहे हैं।

जिले में गर्मी का प्रकोप जारी है। रविवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। तेज धूप और उमस के कारण दोपहर में सड़कें सूनी रहीं। लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। बादलों की आवाजाही से खास राहत नहीं मिल सकी। सुबह जरूर बयार चलने से बयार शीतल होने से राहत मिल रही है। उमस भरी भीषण गर्मी का असर बाजारों में भी साफ दिखाई दिया, जहां दोपहर के समय ग्राहकों की संख्या काफी कम रही।

तेज धूप के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। लोग सिर से पैर तक शरीर को ढंककर घरों से निकलते देखे गए। चिकित्सकों ने लोगों को पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की धूप से बचने और अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। तेज धूप के कारण लोग दिनभर सड़क पर झुलसते रहे। बाजारों में भी दुकानों पर सन्नाटा पसरा रहा। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, सोमवार से मौसम कुछ बदलाव की संभावना दिख रही है।

यमुना एक्सप्रेस–वे पर प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित:डीएम

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत यमुना एक्सप्रेस–वे के मथुरा जनपद अंतर्गत बड़े हिस्से को नो–प्रोटेस्ट जोन घोषित कर दिया है। यह आदेश 15 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा।

जिला अधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यमुना एक्सप्रेस–वे पर 59.300 किलोमीटर से 141.000 किलोमीटर और 145.500 किलोमीटर से 148.000 किलोमीटर तक के क्षेत्र को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है।

इस अवधि में इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, जुलूस, सभा अथवा ऐसा कोई आयोजन, जिससे यातायात या कानून–व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, प्रतिबंधित रहेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस–वे प्रदेश का अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च गति वाला मार्ग है, जहां किसी भी प्रकार का अवरोध यात्रियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। इसी कारण यह प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिबंधों आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गार्डर में नहीं फंसेंगी बस,नहीं ठहरेगा पानी

पुरानी सड़क काटने के बाद सीमेट से बनी नई सड़क, जो अब डेढ़ फीट नीची हो गई है।

नए बस स्टेशन के पास लोहे के पुल पर चल रहा है काम

करीब डेढ़ फीट नीचे हो जाएगी सड़क,नहीं होगा जलभराव

यूनिक समय, मथुरा। नए बस स्टैंड रेलवे पुल का काम पूरा होने के बाद सालों से चली आ रही जलभराव की समस्या से निजात मिल जाएगी। पुल के चौड़ा होने से वाहनों के आवागमन में भी सहूलियत होगी। करीब डेढ़ फीट नीचे सड़क का लेबल होने से बस भी गार्डर में नहीं फंसेगी। भूतेश्वर पुल का काम पूरा होने से भी शहर को लाभ मिलेगा।

इन दिनों रेलवे प्रशासन नए बस स्टैंड के पुल पर चौथी और पांचवीं रेल लाइन डालने को पुल के दोनों ओर आधार बनाकर लोहे का स्ट्रक्चर रखने को काम करने में जुटा है। आधार बनाने का काम पूरा होने के बाद लाइन बिछाने का काम किया जाएगा। इन दोनों लाइनों पर लोहे का स्ट्रक्चर भी होगा, जिससे किसी हादसे की संभावना न हो।

सात जुलाई तक चलने वाले इस काम के दौरान रेलवे के इंजीनियर और तकनीकी दल के सदस्य फिलहाल नए बस स्टेशन के सामने बनी सड़क को मशीनों से काट रहे हैं, करीब दो फीट तक सड़क को नीचे किया जा रहा है। दिन में सड़क काटने का काम कराने वाले अधिकारी रात में नई सीमेंट सड़क भी डलवा रहे हैं।

रेलवे के अधिकारी ने बताया कि पुल की सुरक्षा के लिए लोहे के गार्डर लगे हैं, जिनसे होकर बस निकलती है। नई रेल लाइन का काम होने से बस लोहे के गार्डर से नहीं निकल सकती हैं, इसलिए गर्डर की ऊंचाई के हिसाब से सड़क को काटा जा रहा है, नई सड़क भी बनाई जा रही है। इससे पानी भराव एक साथ नहीं होगा। सड़क काफी लंबाई में नीची होने से जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि काम को समय सीमा के अंदर समाप्त करने को योजना बनाकर सड़क काटने और बनाने का काम कराया जा रहा है।

तीस साल बाद मिल रही राहत

नए बस स्टैंड पुल के नीचे काम चलने की वजह से सात जुलाई तक चार पहिया वाहन और ई- रिक्शा का आवागमन बंद चल रहा है। केवल दो पहिया वाहन और साइकिल निकल रहे हैं। ऐसे में आसपास के लोग और दो पहिया वाहन चलाने वाले खुश हैं। कृष्णा नगर निवासी रोहित अग्रवाल ने बताया कि नए बस स्टैंड के पास तीस साल पहले राहत मिल रही है, जाम तो मिल ही नहीं रहा है। भूतेश्वर से कचहरी केवल पांच मिनट में पहुंचा जा रहा रहा है। कृष्णा नगर के गोविंद का कहना है कि बड़े वाहन बंद होने से कोरोना काल की याद आ रही है।

दान के छह फ्रीजर छह माह से खराब, मोरचरी में बढ़ा संकट

यूनिक समय, मथुरा। इस भीषण गर्मी में मोरचरी के छह फ्रीजरों के खराब होने से लावारिस लाशों को 72 घंटे रखने के कारण मोरचरी में शवों को रखने में भारी परेशानी का समाना करना पड़ रहा है। शवों को जमीन पर ही रखा जा रहा है।

मोरचरी पर विच्छेदन के लिए आने वाले शवों को सुरक्षित रखने के लिए सेवार्थ संस्थान ने छह फ्रीजर यहां लगा रखे हैं। इसके अलावा एक फ्रीजर की अलग से व्यवस्था की गई है। इससे पहले सरकार की ओर से भी मोरचरी में शवों को सुरक्षित रखने के लिए छह फ्रीजर लगा रखे थे। सस्था द्वारा अपने फ्रीजरों का रख रखाव नियमित किया जाता है। सरकार द्वारा लगाए गए फ्रीजरों के खराब होने के बाद भी उन्हें ठीक कराना तो दूर की बात है देखा तक नहीं जाता है।

बताया गया कि यहां की व्यवस्था

मोरचरी में आईओसीएल द्वारा डोनेट किए गए छह माह से खराब पड़े फ्रीजर।

आईओसीएल द्वारा भेट किए थे फ्रीजर

संस्था के छह फ्रीजरों में रखे है 72 घंटे के लिए लावारिस शव

की देख रेख सीएमओ के अंडर में आती है। सरकारी फ्रीजरों के खराब होने के बाद लाशों को सुरक्षित रखने के लिए आईओसीएल ने छह फ्रीजरों का एक सेट मोरचरी को डोनेट किया था।

सेट को डोनेट करने बाद आईओसीएल ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। बताया गया कि छह फ्रीजरों का सेट करीब छह माह से खराब पड़ा है। इसके चलते छह फ्रीजरों का संस्था का सेट ही वर्किंग में है।

पांच अज्ञात शवों को पुलिस ने मोरचरी भेजा

यूनिक समय, मथुरा। जनपद और रेलवे स्टेशन से पुलिस ने पांच लावारिस शवों को बरामद कर मोरचरी भेज दिया है। शिनाख्त के लिए शवों को 72 घंटे रखने के बाद पोस्टमार्टम होगा। शहर में चौकी बागबाहुदर क्षेत्र से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के शव को बरामद किया है। इसी तरह बंगाली घाट चौकी क्षेत्र में आर्यसमाज रोड से एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छाता कोतवाली क्षेत्र के दौताना चौकी इलाके में रेलवे ट्रेक से पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। इसी तरह छाता पुलिस ने एक अज्ञात साधू वेषधारी का शव बरामद किया था। राजकीय रेलवे पुलिस ने भी एक अज्ञात व्यक्ति के शव को बरामद कर मोरचरी भेज दिया है।

सोलाका रेलवे स्टेशन पर पोल से गिरकर इलेक्ट्रीशियन मरा

यूनिक समय, मथुरा। सोलाका स्टेशन पर पोल पर बिजली का काम करने के दौरान एक प्राइवेट ठेकेदार का कर्मचारी(इलेक्ट्रीशियन) पोल पर काम करने के दौरान गिर कर बुरी तरह से घायल हो गया। इलेक्ट्रीशियन की अस्पताल में मौत हो गई। बदायूं कादर नगर थाना वजीरगंज का रहने वाला युवक अमरीश पुत्र प्रेम पाल इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। बताया गया कि बदायूं निवासी सत्येंद्र रेलवे में काम करने वाले एक प्राइवेट ठेकेदार के पास सुपरवाइजर की नौकरी करता है। सत्येंद्र काम कराने के लिए अमरीश को अपने साथ सोलाका रेलवे स्टेशन पर होने वाले बिजली के काम के लिए लाया था। बताया गया कि 25 जून को अमरीश सेफ्टी बैल्ट लगा कर पोल पर काम कर रहा था। पोल पर काम करने के

सेफ्टी बैल्ट का हुक टूटने से हुई दुर्घटना

दौरान अचानक सेफ्टी बैल्ट का हुक टूट गया और पोल से जमीन पर आ गिरा। उसे गिरते देख तुरंत उसके साथ काम करने वाले लोग और आरपीएफ और जीआरपी का स्टाफ वहां पहुंच गया। युवक का पहले स्थानीय स्तर पर उपचार कराया गया, इसके बाद हालत में सुधार न होने पर एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हॉस्पिटल में उसकी अगले दिन मौत हो गई। जानकारी पर परिवार के लोगों ने कल अमरीश का पोस्टमार्टम कराने का पुलिस से अनुरोध किया, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने आज उसका पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम कराया है। परिवार के लोग युवक की मौत से बेहद दुखी हैं।

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई बस, कई यात्री घायल

यूनिक समय, नौहझील। बाजना मार्ग पर खाटू श्याम मंदिर के समीप रविवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। नौहझील से गोमत की ओर जा रही प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से जा टकराई। इस दौरान कई यात्री घायल हो गए। हादसे के समय बस में करीब 15 यात्री सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज गति में थी, इसलिए चालक संतुलन खो बैठा, जिसके कारण बस सीधे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। दुर्घटना में बस में सवार लगभग चार से पांच यात्रियों को चोटें आई हैं। राहत की बात यह रही कि कोई बड़ा जनहानि नहीं हुई। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, रिंकी की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर

कर दिया है।

हादसा होते ही बस चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों में चालक की इस लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश है। सूचना मिलते ही नौहझील पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर क्षतिग्रस्त बस को कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदार के रूप में शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में मिले एक युवक के शव की शिनाख्त परिवार के लोगों ने की है। परिवार के लोगों ने युवक की हत्या करने के आरोप लगाया है। मरने वाले वृंदावन में लस्सी, पेड़ा की दुकान करता था।

परिवार के लोगों ने बताया कि कोतवाली छाता के गांव बरौली निवासी राजवीर के पास 25 जून की सायं उसके मोबाइल पर किसी ने फोन कर उसे बुलाया था। फोन रिसीव करने के बाद वह सायं सात बजे घर से चला गया। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। वह वृंदावन में लस्सी और पेड़े की दुकान करता है। इंटरनेट मीडिया पर जैंत में मिले अज्ञात युवक का फोटो वायरल देख कर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश की। तलाश करने पर पता

परिवार के लोगों ने हत्या करने का लगाया आरोप

लगा कि जैत क्षेत्र में उसका शव मिला था। छाता पुलिस ने भी इस मामले में जांच की। परिवार के लोगों का कहना है कि मरने वाले के की गर्दन पर धारदार कट का निशान और पीठ पर भी चोट के निशान थे। पुलिस को उसके पास से 1100 रुपये मिले, लेकिन उसका मोबाइल नहीं मिला। परिवार के लोगों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से उसके मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाकर जांच कराए जाने की मांग की है। पुलिस ने आज राजवीर के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवार को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

झाड़ियों से मिला ग्रामीण का शव

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली सुरीर के गांव डढीसरा के रास्ते में झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है। तलाशी के दौरान उसके पास से देशी शराब के पाउच भी मिले। पुलिस को आशंका है कि उसकी मौत शराब पीने के कारण हुई है। बताया गया कि गांव डढीसरा निवासी यवक ओमप्रकाश उर्फ उल्ला पुत्र नंदकिशोर का शव गांव के समीप झाड़ियों में पड़ा था। वहां से गुजरते ग्रामीणों ने इस बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव की तलाश की तो उसके पास से शराब के पाउच मिले। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बात की आशंका जाहिर की जा रही है कि उसकी मौत अधिक शराब पीने के कारण हो सकती है।

छाता फ्लाईओवर पर बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता क्षेत्र स्थित छाता फ्लाईओवर पर एक बाइक सवार युवक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई।

सईद अली निवासी मामन हिम्मतपुरा इटावा छाता क्षेत्र स्थित भगवती इंडस्ट्रीज में वैल्डर की नौकरी करता था। उसने छाता में किराए का मकान भी ले रखा था। बताया गया कि वह ड्यूटी करने के बाद बाइक से घर के लिए लौट रहा था। रास्ते में राष्ट्रीय राजमार्ग के छाता फ्लाई ओवर पर किसी तेज गति

ड्यूटी करने के बाद घर लौटते वैल्डर की हुई मौत

से आते वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर घायल हुए वैल्डर की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना के बारे में मृतक के परिवार को भी इस बारे में सूचना दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवार के लोगों को सौंप दिया।

देश-दुनिया को लुभा रही कान्हा की नगरी की अनमोल धरोहर

दिल्ली में मथुरा की दो दुर्लभ प्रतिमाएं बिखेरेंगी जलवा

प्रदर्शनी में मूर्तियां बिखरेंगी जलवा।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी की हजारों साल पुरानी धरोहर एक बार फिर देश और दुनिया के लोगों का मन मोहित करेगी। मुंबई में अपनी शानदार छाप छोड़ने के बाद अब मथुरा के राजकीय संग्रहालय की चार दुर्लभ प्रतिमाएं दिल्ली में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएंगी। इन प्रतिमाओं के जरिए दुनिया मथुरा की प्राचीन कला, संस्कृति और इतिहास की झलक देखेगी। यही वजह है कि मथुरा का राजकीय संग्रहालय आज देश ही नहीं, विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है।

राजकीय संग्रहालय के उपनिदेशक योगेश कुमार ने बताया कि बीते साल जून में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय में आयोजित अतीत संपर्क प्रदर्शनी में मथुरा से भगवान कार्तिकेय और धनपति कुबेर

दिल्ली में फिर दिखेगा राजकीय संग्रहालय का जलवा

अब दिल्ली की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में बनेंगी आकर्षण

की दुर्लभ प्रतिमाएं भेजी गई थीं। इन प्रतिमाओं को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और सभी ने मथुरा की प्राचीन कला की खूब सराहना की।

इनमें सबसे खास प्रतिमा भगवान कार्तिकेय की है। कार्तिकेय भगवान शिव और माता पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र और देवताओं की सेना के सेनापति माने जाते हैं। उन्हें वीरता, शक्ति और साहस का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा कंकाली टीला से मिली थी और करीब दो हजार वर्ष पुरानी है। इसमें कार्तिकेय के हाथ में उनका प्रमुख अस्त्र भाला (शक्ति) दिखाई देता है। सिर पर मुकुट, गले में हार और कंधे पर दुपट्टा उनकी सुंदर मूर्तिकला को दर्शाता है। दूसरी प्रतिमा धनपति कुबेर की थी, जो कि कुबेर को धन, वैभव और समृद्धि का देवता माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वे देवताओं के खजाने के रक्षक और उत्तर दिशा के स्वामी हैं। उनकी यह प्रतिमा उस समय की समृद्ध कला और शिल्प का सुंदर नमूना है। मुंबई प्रदर्शनी में इस प्रतिमा ने भी लोगों का खूब ध्यान खींचा था।

दिल्ली प्रदर्शनी में भेजी जाने वाली तीसरी प्रतिमा हरिनेगमेशी की है। बकरे के मुख वाले इस देवता का जैन धर्म में विशेष महत्व है। उन्हें शुभ जन्म, गर्भ की रक्षा और मंगल कार्यों का प्रतीक माना जाता है। कुषाणकाल की यह प्रतिमा अपनी अनोखी बनावट और धार्मिक महत्व के कारण बेहद खास मानी जाती है।

चौथी प्रतिमा हरिति देवी की है। हरिति देवी को बच्चों की रक्षक, मातृत्व, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की देवी माना जाता है। बौद्ध परंपरा में उनका विशेष स्थान है। उनकी प्रतिमा उस समय की उत्कृष्ट कला और धार्मिक आस्था की खूबसूरत झलक दिखाती है।

सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से मथुरा की ऐतिहासिक धरोहर आज देश ही नहीं, विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना रही है। यहां की प्राचीन प्रतिमाएं भारतीय संस्कृति और मथुरा की गौरवशाली कला परंपरा का परिचय दुनिया को करा रही हैं।

मन की बात सुनते हुए जिला सहाकारी बैंक के चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर एवं गणमान्य लोग

बाजना में सुना गया मन की बात कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। बाजना में रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया, जिसमें जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों, कर्मचारियों और क्षेत्र के लोगों ने मन की बात प्रधानमंत्री के विचार सुने। इस दौरान सभी ने देशहित और समाज सेवा के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन ने कहा कि मन की बात से लोगों को समाज और देश के लिए अच्छे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

ब्रजवासी और श्रद्धालुओं को निभानी होगी ब्रज स्वच्छता की जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। 'हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान रविवार को गोकुल स्थित रमणरेती आश्रम में जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण बना। 250 से अधिक हार्टफुलनेस स्वयंसेवकों, बटुकों और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, स्थानीय निकाय से जुड़े लोगों ने श्रमदान कर आश्रम परिसर, मुख्य मार्ग और सरोवर क्षेत्र की सफाई की। श्रद्धालुओं को स्वच्छ ब्रज का संदेश दिया।

अभियान का नेतृत्व उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश चंद्र ने किया।

स्वयंसेवकों ने झाड़ू लगाकर और कचरा एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया। रमणरेती दर्शन को आए श्रद्धालुओं से ब्रज की स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी

गोकुल स्थित रमणरेती में स्वच्छता अभियान के दौरान सफाई में जुटे स्वयंसेवक।

अभियान को मिला जनसमर्थन, रमणरेती में 250 स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान बना जनभागीदारी

मानते हुए सक्रिय सहयोग की अपील की।

हार्टफुलनेस के उत्तर प्रदेश रीजनल फैसिलिटेटर अनुपम अग्रवाल ने लोगों से कूड़ा केवल कूड़ेदान में डालने और स्वच्छ ब्रज के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। मथुरा समन्वयक निशांत शर्मा ने कहा कि दाजी के आह्वान पर स्वयंसेवक ब्रज की स्वच्छता, पवित्रता और गौरव की पुनर्स्थापना के लिए सेवाभाव से कार्य कर रहे हैं। अभियान में मथुरा के अलावा आगरा, अलीगढ़, हाथरस, मेरठ और नोएडा से आए हार्टफुलनेस के अभ्यासी और स्वयंसेवकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें सुरेंद्र शर्मा, ऋषि तोमर, जितेंद्र पाल सिंह, महेश पाल सिंह, सुभाष चंद, यतेंद्र सिंह, ज्योति, पवन, शैलेंद्र, जेपी सिंह, रमेश वर्मा, संदीप खन्ना, भगवान सिंह, शंकर पाल, सुषमा, सुधा, देवी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

यूनिक समय NEWS

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली-पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

-संपादक

टेलीफोन : 0565-3550761 मोबाइल : 8394983366

वाल्मीकि समाज के मेधावियों का चमका सितारा

जिला टॉपर्स को मिले लैपटॉप और टैबलेट

पूर्व महापौर ने दिया शिक्षित बनो, संगठित रहो का नारा

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय वाल्मीकि नवयुवक संघ के तत्वावधान में रविवार को एक स्थानीय होटल में दशम मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन नगर निगम के पूर्व महापौर डॉ. मुकेश आर्य बंधु, समाजसेवी कल्याण दास अग्रवाल, सफाई मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. एसपी सिंह, सावन कुमार, वरुण वाल्मीकि, अनुराधा खरे, ललित चौहान और महेश काजू ने महर्षि वाल्मीकि और डॉ. आंबेडकर के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित- पुष्प अर्पित कर किया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के जिला टॉपर्स को प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप और टैबलेट देकर पुरस्कृत किया गया, जबकि अन्य मेधावी छात्र-छात्राओं को भी विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। अतिथि डॉ. मुकेश आर्य बंधु ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षित बनो और संगठित रहो का मंत्र अपनाकर ही हमारा समाज आगे बढ़ सकता है। इस अवसर पर सतीश, खेमचंद, खिलो, नरेश चंदेल, विशाल चंदेल, सेठ शरण आनंद, अंकित चौधरी, सनी प्रधान, धर्मेंद्र, अनिल दिलेर, राम सिंह बाल्मीकि आदि उपस्थित। संचालन महेश काजू ने किया।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,41,750

22 कैरेट 1,29,937

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,34,900 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

वृंदावन में उमस भरी गर्मी में लोगों की नींद हराम

रातभर तड़पाती रही बिजली

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। दिन में भगवान भास्कर के तल्ख तेवर, उमस भरी गर्मी। दिन चैन और न रात चैन। बिजली रानी गुल हुई तो रात की नींद उड़ गई। अब तो रात के वक्त बिजली झटके के साथ आती-जाती रहती है। भले ही एसी खराब, कूलर खराब हो जाए या फिर पंखा। उससे विद्युत अधिकारियों को कोई मतलब नहीं। मंदिरों की नगरी में अब तो बिजली की समस्या से हर कोई त्रस्त है। चारों ओर बिजली को लेकर चर्चा हो रही है। बसपा शासनकाल के ऊ र्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय और पिछली भाजपा सरकार में ऊ र्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा लोगों को याद आने लगे। वजह साफ सुनाई दे रही है कि उस समय विद्युत आपूर्ति गुल होती थी तो कभी कभार। अब तो विद्युत समस्या नासूर बन गई है। हर साल बड़े ट्रांसफार्मर रखने की बात होती है और दावा किया जाता है कि भविष्य में विद्युत समस्या होगी नहीं। गर्मी आते ही इस समस्या ने विकराल रुप धारण कर लिया। अधिकारियों को फोन करो, मैसेज भेजो, लेकिन

रात को बिजली करती है नाटक न आने का पता न जाने का

उनको कोई फर्क नहीं पड़ता। कैलाश नगर कालोनी के लोगों का कहना है कि विद्युत आपूर्ति का रात भर ऐसा आना-जाना लगा रहता है, उससे लगता है कि कोई जानबूझकर विद्युत गुल करता है फिर सैकेंडों और मिनटों में लाइट आ जाती है। जिले के बड़े विद्युत अधिकारियों को इतनी फुर्सत नहीं है कि यदा-कदा रात के दौरान विद्युत सब स्टेशनों पर जाकर निरीक्षण कर लें, आखिरकार कटौती कैसे हो रही है। रजिस्टर पर कटौती की एंट्री है या नहीं। रंगजी मंदिर क्षेत्र के लोग तो पिछले कई दिनों में बिजली की आंख मिचौली से परेशान है।

गौरानगर कालोनी के शुभम शर्मा का कहना है कि दिन तो जैसे तैसे कट जाता है। बिना बिजली के रात काटना मुश्किल हो जाता है। गोपीनाथ बाजार के चंद्रभान गुप्ता और अंकित वार्ष्णेय कहते हैं कि वृंदावन की विद्युत समस्या का समाधान होना चाहिए। रात को विद्युत का गुल होना अपराधिक तत्वों को बढ़ावा देना है। परिक्रमा मार्ग में रहने वाले सुंदर लाल का कहना है कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का वृंदावन की विद्युत समस्या का समाधान कराने के लिए प्रयास करने चाहिए। रालोद नेता धनेंद्र कुमार अग्रवाल का कहना है कि विद्युत कटौती की समस्या को लेकर बाहर से आने वाले श्रद्धालु अपने मन में क्या विचार लेकर जाते होंगे। यह बात सरकार के जनप्रतिनिधियों को सोचनी चाहिए।

फरह के गांवों में बिजली कटौती से अकुलाए लोग

यूनिक समय, फरह। रविवार को बिजली कटौती ने गांवों में रहने वाले लोगों को परेशान कर दिया। उमस और गर्मी के साथ कई घंटे की कटौती से लोग बिलबिला गए। कूलर और पंखे फेल हो गए, जबकि इन्वर्टर तो टें बोल गए।

सुबह करीब नौ बजे गांवों की बिजली गायब हो गई, कुछ समय तक आपूर्ति नहीं मिली तो किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसके एक घंटे बाद लोगों ने जानकारी के लिए बिजलीघर फोन लगाए, लेकिन रिसीव नहीं हुए। बिजली कटौती से परेशान लोगों ने इधर-उधर से पता किया तो बताया कि खराबी आ गई है, जल्द सप्लाई मिलेगी। इसके बाद भी दोपहर समाप्त होने तक लोगों को बिजली सप्लाई नही मिल सकी। उमस और गर्मी की वजह से परेशान लोग बिजली सप्लाई ठप होने से अकुलाए दिखे। इस दौरान कृत्रिम राहत के साधन भी फेल हो गए, ऐसे में लोगों की परेशानी और बढ़ गई।

मंदिर की सीढ़ी पर भीड़ में एक किशोरी अचेत होकर गिरी

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने को कानपुर से आई 16 वर्षीय किशोरी यकायक गर्मी के कारण अचेत होकर मंदिर की सीढ़ियों पर गिर गई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे भीड़ से बाहर निकालकर जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। परिजनों ने व्यवस्थाओं को लेकर मंदिर प्रबंधन पर सवाल उठाया। कहा कि वीआईपी कल्चर के कारण सामान्य भक्तों को एक लम्बे अरसे तक लाइन में खड़े होकर इंतजार करना पड़ता है।

स्वच्छ गिरिराज-स्वस्थ पर्यावरण संकल्प के साथ चला सफाई अभियान

गिरिराज परिक्रमा को स्वच्छ बनाने में जुटा बाबा कढेरा सिंह विद्यालय परिवार के सदस्य।

यूनिक समय, सौंख। गिरिराज महाराज की परिक्रमा को स्वच्छ-सुंदर बनाने के उद्देश्य से सौंख रोड स्थित बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर द्वारा संचालित स्वच्छता अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत शनिवार को 15 वें रविवार की सफाई सेवा आयोजित की गई। अभियान के तहत परिक्रमा मार्ग के खंभा संख्या 365 से 385 तक विशेष सफाई की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह, प्रबंधक प्रहलाद सिंह, वीरपाल प्रधान, डॉ. अशोक, समन्वयक बिपिन सिंह, ओमप्रकाश और रामानंद ने किया। इस दौरान विद्यालय परिवार के शिक्षक, कर्मचारी और स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया।

चेयरमैन सुरेश सिंह बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। विद्यालय परिवार पिछले कई महीनों से प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से सफाई अभियान चला रहा है,श्रद्धालुओं का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। विद्यालय प्रबंधक प्रहलाद सिंह बताया कि गोवर्धन परिक्रमा मार्ग करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां प्रतिदिन देश-विदेश से बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। ऐसे में परिक्रमा मार्ग की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कई परिक्रमार्थियों ने भी झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में भागीदारी निभाई। सफाई अभियान में 25 स्वयंसेवकों ने 18 झाड़ुओं के साथ श्रमदान किया। इस अवसर पर हमेन्द्र, ऋषि पंडित, भगत जी, उधम, हरिराम, मनोज, वेदप्रकाश, जगदीश, महेश, भोला पंडित, सत्यपाल सहित अन्य लोगों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

परिक्रमा मार्ग की सफाई को जुटे शिक्षक, कर्मचारी और श्रद्धालु

संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार ने संपत्ति की रजिस्ट्री और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लेकर एक बड़ा और महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्देश जारी किया है। इस नए नोटिफिकेशन के तहत सरकार ने साफ कर दिया है कि आधार कार्ड पर दर्ज रिश्तों की डिटेल (जैसे- पिता, पति या अभिभावक का नाम) को अब कानूनी रिश्ते का अंतिम या निर्णायक सबूत नहीं माना जाएगा।

उत्तर प्रदेश की महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। इसमें राज्य के सभी रजिस्ट्रेशन कार्यालयों और सहायक महानिरीक्षकों को इन नए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने संपत्ति रजिस्ट्रेशन, सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में कानूनी जटिलताओं से बचने के लिए आधिकारिक मूल्यांकन के दौरान इन 5 नियमों का पालन अनिवार्य किया है। नियम एक में (पहचान और पते का प्रमाण) आधार कार्ड को विशेष रूप से सिर्फ पहचान और पते के वैध प्रमाण के रूप में ही स्वीकार किया जाना चाहिए। नियम दो (रिश्तों पर निर्णायक नहीं)में आधार कार्ड पर दर्ज परिवार या माता-पिता की डिटेल को किसी भी रिश्ते के निर्णायक या कानूनी रूप से बाध्यकारी सबूत के तौर पर नहीं माना जा सकता है। नियम तीन (पारिवारिक सत्यापन)में ऐसे आवेदन, योजनाएं या कानूनी दस्तावेज जिनमें पारिवारिक रिश्ते का अनिवार्य सत्यापन आवश्यक है, वहां अधिकारी सिर्फ आधार कार्ड के आधार पर अंतिम निर्णय नहीं ले सकते हैं। नियम चार (मान्य दस्तावेजों की जांच)में रिश्तों के सत्यापन के लिए विभागों को मौजूदा नियमों के तहत मानक और कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त दस्तावेजों की जांच करनी होगी। इसके तहत जन्म प्रमाणपत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या सक्षम अदालतों/प्राधिकारियों द्वारा जारी संबंध प्रमाणपत्र को ही मान्य माना जाएगा।

नियम पांच (द्वितीयक सूचना) में आधार कार्ड पर माता-पिता या पति/पत्नी के नाम के किसी भी उल्लेख को स्थापित कानूनी सबूत के बजाय केवल एक द्वितीयक सूचनात्मक संदर्भ के रूप में देखा जाना चाहिए।

14,500 रुपये का जुर्माना हटवाए गए 39 अवैध होर्डिंग

स्वच्छता महाअभियान में सफाई कराते सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी।

यूनिक समय, मथुरा। जिला प्रशासन, नगर निगम, विप्रा और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे "हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है" महाअभियान के तहत रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता, जन-जागरूकता और प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अतिक्रमण हटाने के साथ सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग के खिलाफ कार्रवाई की गई। अतिक्रमण पर 1,500 रुपये, गंदगी फैलाने पर 5,000 रुपये और प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग करने पर 8,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही सात किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त की गई। नगर निगम ने 39 अवैध होर्डिंग, सात बैनर और सौंख रोड हाईवे से महोली बाईपास तक 34 कियोस्क, बैनर और पोस्टर भी हटाए।

सहालग में सस्ते सोने से गुलजार हुआ बाजार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सहालग शुरु होने के साथ सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट ने खरीदारों के चेहरे पर सुकून दिखाई दे रहा है तो ज्वैलर्स भी अब अपने शोरुमों पर ग्राहकों के आने से अच्छे दिनों का इंतजार कर रहे हैं।

पिछले दिनों सोने और चांदी की कीमतों लगी आग से हर कोई हैरान था। सोने की कीमत करीब 1.80 लाख रुपये प्रति दस ग्राम के आसपास पहुंच गई थी तो चांदी की कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये प्रति किलो के आसपास पहुंच गई थी। अधिकांश सर्राफा व्यवसायी सोच में पड़ गए थे कि आखिरकार भविष्य में वह क्या करेंगे। क्या उनको अपना बिजिनेस बदलना पड़ेगा। निवेशक भी सोच समझ कर

कदम आगे बढ़ा रहे थे। सबसे अधिक चिंतित थे तो वह बहू और बेटी की शादी की तैयारियों के क्रम में जेवर बनवाने वाले माता-पिता। रात दिन इसी चिंता में डूबे रहते थे कि सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों के बीच कैसे गहने बनवाए। अब जून के महीने में सोने और चांदी के भाव में भारी गिरावट होने से सर्राफा व्यवसासियों के साथ-साथ बहू और बेटी के लिए गहने वाले पिता के चेहरों पर सुकून सा दिखाई दे रहा है। हालांकि, बहुत से निवेशक

बहू और बेटियों को गहने देने वाले दिखाने लगे रुचि

अब सोने-चांदी पर खरीदारी को लेकर दांव लगा रहे हैं।

जानकारों के अनुसार जून में सोने-चांदी के दाम में भारी गिरावट तब आई है, जब ईरान-अमेरिका जंग खत्म होने की खबर आ रही थी। ऐसे में सोने-चांदी के दाम में बढ़ोतरी होनी चाहिए थी, लेकिन फिर भी ये कीमती धातुएं तेजी से नीचे आई हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत में हर 10 ग्राम पर 17,000 रुपये की गिरावट आई है. यह 29 मई से अब तक 10.36 फीसदी की गिरावट है। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। जून महीने के दौरान चांदी 51,000 रुपये कम हो गई है। यानि इसमें 18.56 फीसदी की गिरावट आई है। सोने और चांदी की कीमतों पर आ रही गिरावट को देखते हुए ज्वैलर्स के शोरुमों में ग्राहकों का आवागमन दिखाई देने लगा है। अब सहालग देव शयनी एकादशी तक है। शहर, कस्बा और ग्रामीण अंचलों में वैवाहिक कार्यक्रमों की धूम मची है। बहू और बेटियों के गहने खरीदने वाले भी अब रूचि दिखा रहे हैं। हालांकि उनको भविष्य में सोने और चांदी की कीमत फिर बढ़ने के आसार दिखाई दे रहे हैं। इस कारण देवोत्थान एकादशी के बाद विवाह की तैयारियों में लगे परिवार वाले भी अब सोने और चांदी गहने (जेवर) खरीदते देखे जा रहे हैं।

सचिव की तानाशाही से ग्राम पंचायतों के काम प्रभावित

यूनिक समय, फरह। ग्राम पंचायत जमालपुर और परखम में यशपाल सिंह सचिव के रूप में तैनात हैं। ग्राम सभा में अपने निर्धारित दिनों में भी सचिव नहीं आते हैं जिसके कारण ग्रामीणों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और परिवार रजिस्टर की नकल आदि कार्यों के लिए दर-दर भटकना पड़ता है।

ग्राम पंचायत जमालपुर के प्रधान बृजेश सिंह और ग्राम पंचायत परखम की प्रधान सरोज देवी और अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि सचिव यशपाल मनमानी तरीके से कार्य करने के आदी हो चुके हैं। प्रधानों की बात तो कतई नहीं मानते हैं। ग्राम पंचायत में पूर्व

जमालपुर और परखम ग्राम पंचायत से सचिव को हटाने के लिए डीएम से शिकायत

में कराए गए कामों का भुगतान सचिव द्वारा नहीं किया जा रहा है। जिससे ग्राम पंचायत की प्रगति में बाधा हो रही है। सीएम डैस बोर्ड की सूचना भी प्रभावित हो रही है। ऐसी स्थिति में सचिव के साथ कार्य करने में बहुत परेशानी हो रही है। इस प्रकरण की शिकायत ग्राम पंचायत जमालपुर एवं परखम के प्रधानों ने डीएम सीपी सिंह, सीडीओ पूजा गुप्ता और डीपीआरओ धनंजय जायसवाल से करते हुए कार्रवाई करने की मांग की है।

तेज गति से चल रहा ई-रिक्शा असंतुलित होकर पलटा

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा मार्ग पर कांच मंदिर के सामने तेज रफ्तार ई-रिक्शा वाले ने अचानक से ब्रेक लगा दिए, जिससे ई-रिक्शा असंतुलित होकर पलट गया। राहगीरों की मदद से सीधा करवाकर यात्रियों को हॉस्पिटल भेजा और रिक्शे वाले को हिदायत दी कि धीरे चलाओ और नशा मत करो, गनीमत रही कि यात्रियों को ज्यादा चोट नहीं आई।

एसी खराब होते ही पूरा ऑफिस पहुंचा कैफे

जेन जी की नई सोच

वर्क लाइफ बैलेंस पर बहस

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट ने बदलते ऑफिस कल्चर और जेन जेड की कार्यशैली को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। पोस्ट में दावा किया गया है कि युवा कर्मचारी अब काम और निजी जीवन के बीच संतुलन को प्राथमिकता दे रहे हैं और अनावश्यक दबाव में काम करने से बचते हैं। हालांकि, पोस्ट में किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

वायरल पोस्ट के अनुसार, एक कंपनी में एयर कंडीशनर खराब होने पर पूरी टीम ने गर्मी में बैठकर काम करने के बजाय पास के कैफे में जाकर काम करना बेहतर समझा। कर्मचारियों ने एचआर को सूचित कर दिया कि एसी ठीक होने के बाद ही वे कार्यालय लौटेंगे।

पोस्ट में यह भी दावा किया गया है कि यह समूह तय समय पर ऑफिस छोड़ता है और केवल बॉस को खुश करने के लिए देर रात तक नहीं रुकता। छुट्टी के दिन या ऑफिस समय के बाद आने वाले कॉल और संदेशों का जवाब देने से भी वे बचते हैं।

यदि किसी कर्मचारी के साथ अनुचित व्यवहार होता है तो वे सीधे एचआर से शिकायत करने में संकोच नहीं करते।

पोस्ट वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ लोगों ने इसे बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस की दिशा में सकारात्मक बदलाव बताया, जबकि अन्य का मानना है कि अनुशासन और कार्यस्थल की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

लीची खाने से परहेज करें डायबिटीज के मरीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में आने वाला रसदार और मीठा फल लीची लोगों का पसंदीदा होता है। मई-जून के सीजन में बाजारों में इसकी भरमार होती है और लोग इसे बड़े चाव से खाते हैं। लीची न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसमें फाइबर, विटामिन सी, पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।

लीची खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और गर्मियों में पानी की कमी दूर होती है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन सुधारने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से राहत दिला सकता है। इसके अलावा यह इम्युनिटी को मजबूत करने और त्वचा को चमकदार बनाने में भी सहायक होती है। हालांकि, लीची के कुछ नुकसान भी हैं। इसमें प्राकृतिक शुगर की मात्रा अधिक होती है, इसलिए डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन सावधानी से करना चाहिए या परहेज करना चाहिए। ज्यादा मात्रा में लीची खाने से वजन बढ़ने, गले में खराश और कुछ लोगों में एलर्जी की समस्या भी हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार लीची का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। अस्थमा और शुगर के मरीजों को इसका अधिक सेवन करने से बचना चाहिए, वरना यह सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

भीगी मेथी सुबह खाएं कई रोगों से मिलेगी राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह खाली पेट भीगी हुई मेथी का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद में इसे एक प्राकृतिक औषधि की तरह बताया गया है, जो शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मदद कर सकती है। मेथी के दानों में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम और विटामिन जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। भीगी मेथी का सबसे बड़ा फायदा ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मिलता है। यह ग्लूकोज के अवशोषण को धीमा करके डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद साबित होती है। इसके अलावा यह पाचन तंत्र को मजबूत करती है और कब्ज, गैस व एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाती है।

मेथी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल की सेहत को भी बेहतर बनाती है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। साथ ही यह वजन घटाने में भी मददगार है, क्योंकि इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और भूख नियंत्रित रहती है।

सुबह खाली पेट भीगी मेथी का नियमित सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है, लेकिन किसी भी स्वास्थ्य समस्या में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

फूड पॉइजनिंग का खतरा

सिर्फ बाहर नहीं, घर में भी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी और बरसात के मौसम में पेट दर्द, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं काफी बढ़ जाती हैं। डॉक्टरों के अनुसार इसका एक बड़ा कारण फूड पॉइजनिंग हो सकता है। यह तब होता है जब खाना बैक्टीरिया या वायरस से दूषित हो जाता है। असुरक्षित भोजन से हर साल करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। लोग अक्सर सोचते हैं कि फूड पॉइजनिंग सिर्फ बाहर के खाने से होती है, लेकिन घर का खाना भी गलत स्टोरेज, साफ-सफाई की कमी या लंबे समय तक बाहर रखने से खराब हो सकता है। इसलिए भोजन की स्वच्छता जरूरी है। पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। इसलिए खाने की स्वच्छता और सही स्टोरेज पर ध्यान देना बेहद जरूरी है, ताकि इस गंभीर समस्या से बचा जा सके।

बिना मैदा-क्रीम के बनाएं रेशमी मलाई कोफ्ता

स्वाद ऐसा कि मेहमान उंगलियां चाटते रह जाएं

हेल्दी और टेस्टी मलाई कोफ्ता रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपको मलाई कोफ्ता पसंद है लेकिन ज्यादा तेल, मैदा और क्रीम की वजह से इसे खाने से बचते हैं, तो यह हेल्दी वर्जन आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। अब आप घर पर ही बिना ज्यादा कैलोरी के रेस्टोरेंट जैसा स्वाद पा सकते हैं।

मलाई कोफ्ता भारतीय रसोई का एक लोकप्रिय और रिच डिश है, लेकिन आमतौर पर इसमें क्रीम और डीप फ्राइंग का इस्तेमाल होता है।

हेल्दी वर्जन में आप कोफ्ते बनाने के लिए उबले आलू, पनीर, कॉर्नफ्लोर या बेसन का हल्का इस्तेमाल कर सकते हैं और उन्हें एयर फ्राई या शैलो फ्राई किया जा सकता है। इससे तेल की मात्रा काफी कम हो जाती है।

ग्रेवी के लिए काजू या भुने हुए टमाटर और हल्के मसालों का इस्तेमाल करके इसे क्रीमी और टेस्टी बनाया जा सकता है, बिना क्रीम डाले भी इसका स्वाद बरकरार रहता है। इसमें थोड़ा दूध या दही मिलाकर स्मूद टेक्सचर दिया जा सकता है।

यह हेल्दी मलाई कोफ्ता न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि इसे पचाना भी आसान होता है। इसे रोटी, नान या जीरा राइस के साथ परोसा जा सकता है।

अगर आप मेहमानों के लिए कुछ स्पेशल और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो यह रेशमी मलाई कोफ्ता रेसिपी जरूर ट्राय करें।

बिना चावल की तोरई-ओट्स खिचड़ी करेगी कमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। जब भी घर में किसी की तबीयत थोड़ी खराब हो या बाहर का भारी खाना खाने के बाद पेट असहज लगने लगे, तो हल्का और आसानी से पचने वाला खाना सबसे बेहतर विकल्प होता है। ऐसे समय में तोरई-ओट्स खिचड़ी एक बेहतरीन और हेल्दी डिश साबित हो सकती है। यह खिचड़ी बिना चावल के बनाई जाती है, जिसमें ओट्स और तोरई का इस्तेमाल होता है। दोनों ही चीजें फाइबर से भरपूर होती हैं और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करती हैं। यह डिश न सिर्फ हल्की होती है बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी देती है। तोरई में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। वहीं ओट्स पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करने में सहायक होता है। यही वजह है कि यह खिचड़ी वजन कम करने वालों के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाती है। इसे बनाना भी बेहद आसान है और यह लंच या डिनर दोनों के लिए परफेक्ट ऑप्शन है। अगर आप हल्का, टेस्टी और हेल्दी खाना चाहते हैं तो तोरई-ओट्स खिचड़ी जरूर ट्राय करें।

सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस से परेशान ,करें स्ट्रेचिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस यानी गर्दन और कंधों में दर्द की समस्या आजकल बहुत आम हो गई है, खासकर उन लोगों में जो लंबे समय तक ऑफिस में बैठकर काम करते हैं। लगातार गलत पोस्चर, कंप्यूटर का ज्यादा इस्तेमाल और कम शारीरिक गतिविधि इस समस्या को बढ़ा देते हैं। इसके कारण गर्दन में अकड़न, कंधों में दर्द और सिरदर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। डॉक्टरों के अनुसार, दवाओं के साथ नियमित एक्सरसाइज भी जरूरी है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज ऑफिस में बैठे-बैठे भी की जा सकती हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करती हैं। सबसे पहले नेक स्ट्रेचिंग करें, जिसमें गर्दन को धीरे-धीरे आगे-पीछे और दाएं-बाएं घुमाया जाता है। इससे जकड़न कम होती है। दूसरी एक्सरसाइज शोल्डर रोल्स है, जिसमें कंधों को गोल घुमाया जाता है और तनाव कम होता है। तीसरी एक्सरसाइज चेस्ट ओपनर स्ट्रेच है, जिसमें हाथों को पीछे ले जाकर छाती को खोला जाता है और पोस्चर सुधरता है।

चौथी एक्सरसाइज सीटेड कैट-काऊ स्ट्रेच है, जिसे कुर्सी पर बैठकर किया जा सकता है और इससे रीढ़ की लचीलापन बढ़ती है। इन एक्सरसाइज को दिन में कुछ बार करने से दर्द में राहत मिलती है और शरीर अधिक एक्टिव महसूस करता है।

बाबा बर्फानी की यात्रा, जानें पूरी रजिस्ट्रेशन की जान कारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन का इंतजार कर रहे हैं। इस साल पवित्र यात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 28 अगस्त 2026 तक चलेगी। करीब 57 दिनों तक चलने वाली यह धार्मिक यात्रा हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करती है। यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर किया जाता है, जहां आधार कार्ड, फोटो और मेडिकल सर्टिफिकेट अपलोड करना जरूरी होता है।

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बैंक शाखाओं के माध्यम से होता है। श्रद्धालुओं को सलाह दी जाती है कि वे समय पर रजिस्ट्रेशन कर लें क्योंकि स्लॉट सीमित होते हैं। मेडिकल फिटनेस और सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य है।

झुकी कमर से पाएं छुटकारा, रोज करें ये एक्सरसाइज

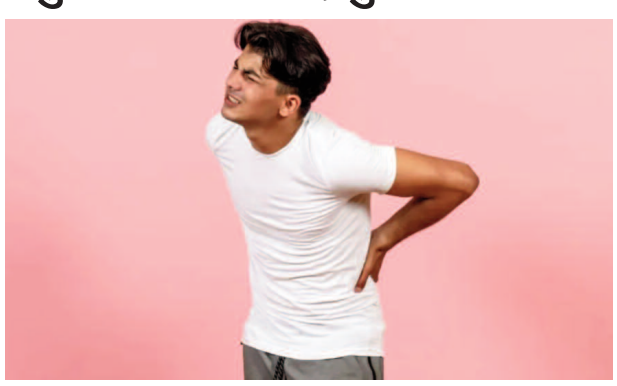

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में झुकी हुई कमर यानी खराब पोस्चर एक आम समस्या बन चुकी है। लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करना, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करना और गलत तरीके से बैठने की आदत इस परेशानी को और बढ़ा देती है। इससे रीढ़ की हड्डी पर लगातार दबाव पड़ता है और धीरे-धीरे कमर झुकने लगती है। इसके कारण गर्दन, कंधे और पीठ में दर्द भी शुरू हो जाता है। मेडिकल भाषा में इस स्थिति को काइफोसिस या हंचबैक कहा जाता है। अच्छी बात यह है कि नियमित एक्सरसाइज और सही पोस्चर की आदत से इस समस्या में काफी सुधार किया जा सकता है। कुछ आसान योगासन और स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज घर या ऑफिस में भी की जा सकती हैं।

सबसे पहले भुजंगासन- बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और छाती को खोलता है, जिससे झुकी हुई कमर धीरे-धीरे सीधी होने लगती है।

दूसरी एक्सरसाइज कैट-काऊस्ट्रेच है, जो रीढ़ की लचीलापन बढ़ाती है और पीठ की मांसपेशियों में जकड़न को कम करती है। इससे दर्द और तनाव में राहत मिलती है।

तीसरी एक्सरसाइज चाइल्ड पोज है, जो पूरे बैक एरिया को रिलैक्स करती है और लंबे समय तक बैठने से होने वाले दर्द को कम करती है। यह शरीर को आराम देने में मदद करती है।

चौथी एक्सरसाइज चेस्ट ओपनर स्ट्रेच है, जिसमें कंधों को पीछे खींचकर छाती को खोला जाता है। इससे पोस्चर बेहतर होता है और शरीर अधिक सीधा दिखता है।

इन एक्सरसाइज को रोजाना करने से कुछ ही दिनों में फर्क महसूस होने लगता है।

बारिश में भीगे गद्दे को ऐसे सुखाएं जल्दी

यूनिक समय, नई दिल्ली। घर में छोटे बच्चे हों तो अक्सर गद्दे, सोफे या बेड पर पानी या कोई अन्य तरल गिर जाने की समस्या हो जाती है। यह परेशानी खासकर बारिश और नमी वाले मौसम में और बढ़ जाती है, जब चीजें जल्दी सूख नहीं पातीं और गद्दे में बदबू या बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में सही समय पर सही कदम उठाना बहुत जरूरी होता है, ताकि गद्दा खराब न हो और उसमें नमी भी न रहे। कई लोग घबराकर गलत तरीके से गद्दा सुखाने की कोशिश करते हैं, जिससे उसकी क्वालिटी खराब हो सकती है और दाग भी स्थायी हो जाते हैं। जैसे ही गद्दा गीला हो, सबसे पहले सूखे तौलिये या पेपर टॉवल की मदद से उस हिस्से को हल्के हाथ से दबाकर पानी को सोख लें। जितनी जल्दी आप यह कदम उठाएंगे, उतना ही ज्यादा पानी बाहर निकलेगा और गद्दा जल्दी सूखेगा। इसके बाद गद्दे को खुली हवा या धूप में रखें। सूरज की रोशनी प्राकृतिक रूप से नमी को कम करती है और बैक्टीरिया को भी खत्म करने में मदद करती है। अगर धूप उपलब्ध न हो तो पंखे की हवा या हेयर ड्रायर का उपयोग किया जा सकता है, जिससे सूखने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इसके अलावा, गद्दे पर हल्का सा बेकिंग सोडा छिड़कने से न केवल नमी कम होती है, बल्कि बदबू भी खत्म हो जाती है। कुछ समय बाद इसे वैक्यूम क्लीनर या कपड़े से साफ कर लें। जल्दी सुखा सकते हैं और उसे फिर से साफ, सूखा और इस्तेमाल के लिए तैयार बना सकते हैं।

सुविचार

जिंदगी छोटी नहीं होती,लोग जीना देर से शुरू करते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	03:06-05:26 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मूल	01:08-04:03 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:31 AM	चन्द्रोदय	07:06 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	05:21 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त		11:45AM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:14 AM: 08:57 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिलने के योग हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

मिथुन: नौकरी और व्यापार में अवसर मिलेंगे। नई योजना सफल होगी। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।

कर्क: परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश सोच-समझकर करें। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह: मान-सम्मान बढ़ेगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। अनावश्यक विवादों से दूरी बनाए रखें।

कन्या: रुके कार्य पूरे होंगे। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास बनाए रखें।

तुला: नए संपर्क लाभ दिलाएंगे। कारोबार में प्रगति होगी। खर्च बढ़ सकते हैं। धैर्य और संयम से निर्णय लें।

वृश्चिक: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। करियर में उन्नति होगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु: यात्रा के योग बनेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। निवेश लाभदायक रहेगा। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

कुंभ: नई शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। मन प्रसन्न रहेगा।

मीन: रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग रहेगा। सकारात्मक सोच सफलता दिलाएगी।

रसोई में यहां रखें राशन,बनी रहेगी घर की बरकत

सही दिशा में अनाज रखने से सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार

यूनिक समय, मथुरा। घर में रखा आटा, चावल, दाल और अन्य खाद्य सामग्री केवल भोजन का साधन नहीं मानी जाती, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा से भी जोड़ा गया है। मान्यता है कि यदि राशन सही दिशा में रखा जाए तो घर में बरकत बनी रहती है, जबकि गलत स्थान पर रखा गया खाद्य भंडार आर्थिक और पारिवारिक परेशानियों का कारण बन सकता है। इसलिए रसोई में राशन रखते समय दिशा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार खाद्य पदार्थों के भंडारण के लिए दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) सबसे उपयुक्त दिशा मानी गई है। यह अग्नि तत्व की दिशा होती है, इसलिए यहां रखा गया सूखा राशन सुरक्षित रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। यदि घर में अलग स्टोर रूम नहीं है, तो रसोई के दक्षिण या दक्षिण-पूर्व हिस्से में आटा, चावल, दाल और मसालों का भंडारण करना शुभ माना जाता है। इसके विपरीत उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में राशन रखने से बचने की सलाह दी जाती है। यह दिशा पूजा-पाठ और आध्यात्मिक कार्यों के लिए शुभ मानी जाती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार यहां खाद्य सामग्री रखने से आर्थिक अस्थिरता और घर की बरकत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

वास्तु विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि उत्तर, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा में लंबे समय तक राशन रखना उचित नहीं माना जाता। इन स्थानों पर नमी बढ़ने, कीड़े लगने या खाद्य सामग्री के जल्दी खराब होने की संभावना अधिक रहती है। मौसम में बदलाव के दौरान यह समस्या और बढ़ सकती है। इसलिए राशन हमेशा ऐसी जगह रखा जाना चाहिए, जहां पर्याप्त सूखापन और साफ-सफाई बनी रहे।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये सभी बातें वास्तु शास्त्र और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

वैज्ञानिक रूप से खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें साफ, सूखी, हवादार और नमी रहित जगह पर एयरटाइट डिब्बों में रखा जाए। इससे अनाज लंबे समय तक सुरक्षित रहता है और उसकी गुणवत्ता भी बनी रहती है।

गरुड़ पुराण में बताए हेयरकट और हेयर वॉश के शुभ दिन

बुध-शुक्र को शुभ माना गया

कुछ तिथियों पर करें परहेज

यूनिक समय, मथुरा। आधुनिक जीवनशैली में अधिकांश लोग अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी दिन बाल कटवाते या बाल धोते हैं, लेकिन सनातन परंपरा और धार्मिक ग्रंथों में इन कार्यों के लिए कुछ विशेष दिन निर्धारित बताए गए हैं। गरुड़ पुराण में वर्णित मान्यताओं के अनुसार सप्ताह के कुछ दिन और तिथियां ऐसे हैं, जिन पर बाल कटवाना या बाल धोना शुभ माना जाता है, जबकि कुछ दिनों में इन कार्यों से बचने की सलाह दी गई है। मान्यता है कि इन नियमों का पालन करने से घर में सुख-समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक संतुलन बना रहता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बुधवार और शुक्रवार को बाल कटवाना शुभ माना गया है। माना जाता है कि इन दिनों हेयरकट कराने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। वहीं मंगलवार को बाल कटवाने से नकारात्मक प्रभाव, गुरुवार को आर्थिक बाधाएं तथा शनिवार को कार्यों में रुकावट आने की मान्यता प्रचलित है। हालांकि ये मान्यताएं धार्मिक आस्था पर आधारित हैं।

महिलाओं के लिए भी गरुड़ पुराण में बाल धोने के संबंध में विशेष नियम बताए गए हैं। धार्मिक विश्वास के अनुसार बुधवार और श क्रवार को बाल धोना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से शुक्रवार को माता लक्ष्मी का दिन माना जाता है और इस दिन बाल धोने से घर में समृद्धि और धन-धान्य का वास होने की मान्यता है। वहीं मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को महिलाओं को बाल धोने से परहेज करने की सलाह दी गई है। सप्ताह के दिनों के अलावा कुछ विशेष तिथियों का भी उल्लेख मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अमावस्या, पूर्णिमा और एकादशी के दिन बाल कटवाने और बाल धोने से बचना चाहिए। इन तिथियों को पूजा, साधना और आध्यात्मिक चिंतन के लिए विशेष माना गया है। धर्माचार्यों का कहना है कि ये सभी नियम धार्मिक आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, संयम और आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखना है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाए तथा श्रद्धालु अपनी आस्था और परिस्थितियों के अनुसार इन मान्यताओं का पालन करें।

करोड़ों का कारोबार डूबने लगा,टूटी दीवार बनी वजह!

यूनिक समय, मथुरा। कई बार कारोबार में गिरावट का कारण केवल बाजार की परिस्थितियां नहीं, बल्कि कार्यस्थल में किए गए छोटे बदलाव भी माने जाते हैं। वास्तु विशेषज्ञ हिमाचल सिंह के अनुसार एक फैक्ट्री में वर्षों तक सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन अचानक ग्राहक कम होने लगे, ऑर्डर घट गए और कर्मचारियों का वेतन देने के लिए भी कर्ज लेना पड़ा।

जांच में पता चला कि फैक्ट्री के साथ लगी दूसरी यूनिट को जोड़ने के लिए दोनों के बीच की दीवार का हिस्सा तोड़ दिया गया था। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इससे पूरे परिसर का ऊर्जा संतुलन और ब्रह्मस्थान बदल गया। परिणामस्वरूप मुख्य प्रवेश द्वार, मंदिर और मशीनों की दिशा पहले की तुलना में असंतुलित मानी गई।

विशेषज्ञ की सलाह पर दोनों यूनिटों के बीच दीवार को अस्थायी रूप से दोबारा बंद किया गया और बाद में धातु की पट्टी लगाकर संतुलन बनाया गया। दावा है कि करीब डेढ़ महीने के भीतर पुराने ग्राहक लौटने लगे और कारोबार में सुधार दिखाई देने लगा।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि व्यापार में नुकसान होने पर वास्तु के साथ-साथ आर्थिक और व्यावसायिक कारणों की भी गंभीरता से जांच कर विशेषज्ञों की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

शिव का सबसे घातक पशुपतास्त्र, फिर भी अर्जुन ने नहीं किया प्रयोग

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत के युद्ध में अनेक दिव्य अस्त्रों का प्रयोग हुआ, लेकिन एक ऐसा अस्त्र भी था जिसे सबसे विनाशकारी माना गया और इसके बावजूद उसका उपयोग नहीं किया गया। यह था भगवान शिव का दिव्य पशुपतास्त्र, जो अर्जुन को कठोर तपस्या के बाद प्राप्त हुआ था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह अस्त्र ब्रह्मास्त्र से भी अधिक शक्तिशाली माना जाता है, फिर भी अर्जुन ने पूरे कुरुक्षेत्र युद्ध में इसे एक बार भी नहीं चलाया।

महाभारत के किरातार्जुनीय प्रसंग के अनुसार अर्जुन ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया था। उनकी परीक्षा लेने के लिए महादेव शिकारी (किरात) के वेश में आए। अर्जुन की वीरता, धैर्य और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पशुपतास्त्र प्रदान किया। कहा जाता है कि इस अस्त्र को मंत्र, संकल्प, धनुष अथवा मानसिक शक्ति से भी संचालित किया जा सकता था। इसकी शक्ति इतनी प्रचंड थी कि यह संपूर्ण सृष्टि के संतुलन को प्रभावित करने में सक्षम माना गया है। पशुपतास्त्र प्रदान करते समय भगवान शिव ने अर्जुन को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि इसका प्रयोग केवल उसी स्थिति में किया जाए, जब सभी अन्य उपाय विफल हो जाएं। साधारण युद्ध या व्यक्तिगत विजय के लिए इसका उपयोग वर्जित माना गया था। यही चेतावनी इस अस्त्र की भयावह शक्ति का संकेत देती है। कुरुक्षेत्र युद्ध में कई ऐसे अवसर आए, जब अर्जुन चाहें तो इस अस्त्र से युद्ध का अंत कर सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अर्जुन का मानना था कि धर्म की स्थापना केवल शत्रु का विनाश करने से नहीं होती, बल्कि मर्यादा, न्याय और संयम का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि किसी अस्त्र के प्रयोग से निर्दोषों, प्रकृति और समस्त सृष्टि पर संकट आ जाए, तो ऐसी विजय का कोई महत्व नहीं रह जाता।

महादेव की चेतावनी और धर्म पालन बना सबसे बड़ा कारण

इसी कारण अर्जुन ने भगवान शिव की आज्ञा का सम्मान करते हुए पशुपतास्त्र का प्रयोग नहीं किया। धर्मग्रंथों में इसे शक्ति पर नियंत्रण, जिम्मेदारी और संयम का सर्वोच्च उदाहरण माना गया है। यही वजह है कि पशुपतास्त्र आज भी भगवान शिव की असीम शक्ति और उसके विवेकपूर्ण उपयोग का प्रतीक माना जाता है।

सम्पादकीय

डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था पर उठने लगे सवाल

जमीन और मकान की रजिस्ट्री कभी सरकारी दफ्तरों की लंबी कतारों, कागजी फाइलों और बिचौलियों के चक्कर का पर्याय मानी जाती थी। इसी व्यवस्था को पारदर्शी और तेज बनाने के उद्देश्य से ई–रजिस्ट्री प्रणाली लागू की गई। उम्मीद थी कि डिजिटल तकनीक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएगी, दस्तावेज सुरक्षित रहेंगे और लोगों को कम समय में बेहतर सेवा मिलेगी। लेकिन शुरुआती अनुभव बताते हैं कि यह व्यवस्था जितनी सुविधाजनक दिखाई देती है, उतनी ही नई चुनौतियां भी साथ लेकर आई है।

पवन गौतम
संपादक

ई–रजिस्ट्री का सबसे बड़ा लाभ यह है कि दस्तावेजों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होता है। फर्जीवाड़े की संभावना कम होती है, प्रक्रिया की निगरानी आसान होती है और सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता बढ़ती है। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, डिजिटल भुगतान और दस्तावेजों का सुरक्षित संग्रहण आम नागरिकों के लिए राहत का कारण बन सकता है। भविष्य में भूमि विवाद कम करने में भी यह प्रणाली उपयोगी साबित हो सकती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की धीमी गति, तकनीकी जानकारी का अभाव और सर्वर की बार–बार आने वाली दिक्क तें लोगों की परेशानी बढ़ा रही हैं। कई बुजुर्ग और कम पढ़े–लिखे लोग डिजिटल प्रक्रिया को समझ नहीं पाते, जिससे उन्हें साइबर कैफे या एजेंटों का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जिस व्यवस्था का उद्देश्य बिचौलियों की भूमिका खत्म करना था, वहीं कई जगह नए डिजिटल बिचौलिए पैदा हो गए हैं। चेहरे की पहचान, बायोमेट्रिक सत्यापन और ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड जैसी प्रक्रियाएं सुरक्षा के लिहाज से जरूरी हैं, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी होने पर पूरा काम अटक जाता है। कई बार एक छोटी त्रुटि के कारण लोगों को बार–बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। डिजिटल व्यवस्था तभी सफल मानी जाएगी, जब तकनीक आम नागरिक के लिए आसान बने, न कि बोझ। सरकार को मजबूत सर्वर, त्वरित तकनीकी सहायता, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और शिकायतों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देना होगा। ई–रजिस्ट्री निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है, लेकिन किसी भी तकनीक की सफलता केवल उसके सॉफ्टवेयर से नहीं, बल्कि उसे इस्तेमाल करने वाले लोगों की सुविधा से तय होती है। यदि व्यवस्था सरल, भरोसेमंद और नागरिक हितैषी बनी, तो ई–रजिस्ट्री वास्तव में पारदर्शिता की मिसाल बनेगी अन्यथा यह सुविधा से अधिक नई परेशानियों का कारण बन सकती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

मोबाइल की चमक में धुंधलाता बचपन और बेबस होते अभिभावक

बोध प्रकाश सगुणी

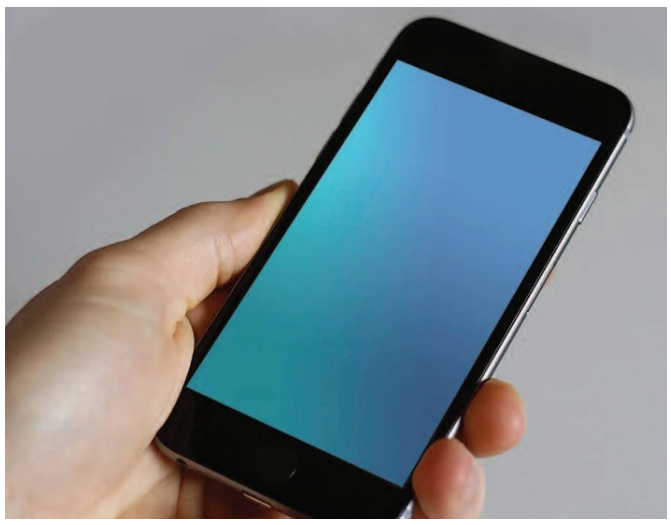

आज का दौर तकनीक का है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान और तेज बना दिया है। शिक्षा, रोजगार, बैंकिंग, मनोरंजन और सामाजिक संपर्क–हर क्षेत्र में डिजिटल तकनीक ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि स्मार्टफोन अब केवल एक संचार का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह बच्चों और युवाओं की दिनचर्या, व्यवहार, सोच और रिश्तों पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इस बदलाव के सामने माता–पिता स्वयं को असहाय महसूस करने लगे हैं।

कुछ वर्ष पहले तक छुट्टियां आते ही बच्चों की दुनिया मैदानों, पार्कों, साइकिल, पतंग, क्रिकेट और दोस्तों के साथ शोर–शराबे से गुलजार रहती थी। सुबह जल्दी उठना, परिवार के साथ बैठकर नाश्ता करना और शाम तक खेलना सामान्य जीवन का हिस्सा था। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। छुट्टियां शुरू होते ही अधिकांश बच्चे और किशोर मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप और वीडियो गेम की दुनिया में खो जाते हैं। रात देर तक ऑनलाइन रहना और सुबह देर से उठना उनकी आदत बन चुकी है।

यह बदलाव केवल दिनचर्या तक सीमित नहीं है। चिकित्सकों का कहना है कि लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की रोशनी प्रभावित होती है, नींद की गुणवत्ता खराब होती है, मानसिक तनाव बढ़ता है और एकाग्रता कमजोर पड़ती है। देर रात तक मोबाइल चलाने से शरीर की जैविक घड़ी प्रभावित होती है, जिससे हार्मोनल संतुलन बिगड़ता है और भविष्य में कई शारीरिक व मानसिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि माता–पिता इन खतरों को समझते हैं, लेकिन बच्चों को समझाने में असफल होते जा रहे हैं। जब भी वे मोबाइल कम चलाने या समय पर सोने की सलाह देते हैं, तो अक्सर उन्हें एक ही जवाब सुनने को मिलता है–"आजकल सब ऐसा ही करते हैं", "आप हमारी पीढ़ी को नहीं समझते" या "हमें पता है कि क्या करना है।" धीरे–धीरे संवाद की जगह बहस और बहस की जगह खामोशी ले लेती है।

यह खामोशी किसी माता–पिता की हार नहीं, बल्कि उनकी बेबसी का प्रतीक है। वे जानते हैं कि बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालना भी उचित नहीं है, लेकिन उन्हें यह भी डर सताता है कि कहीं मोबाइल की लत उनके भविष्य को नुकसान न पहुंचा दे। माता–पिता का हर टोकना नियंत्रण की इच्छा नहीं, बल्कि अनुभव से उपजी चिंता होती है। वे अपने बच्चों के लिए वही चाहते हैं जो उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य के लिए बेहतर हो। आज की पीढ़ी यह मानती है कि तकनीक के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। यह बात काफी हद तक सही भी है। ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल कौशल और इंटरनेट आज की आवश्यकता हैं। समस्या तकनीक नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है। यदि मोबाइल पढ़ाई, जानकारी और रचनात्मक कार्यों के लिए इस्तेमाल हो तो यह वरदान है, लेकिन यदि वही मोबाइल पूरी रात जगाए, परिवार से दूर करे और वास्तविक जीवन से काट दे, तो वह अभिशाप बन सकता है।

यह भी सच है कि केवल बच्चों को दोष देकर समस्या का समाधान नहीं निकलेगा। कई बार माता–पिता स्वयं घंटों मोबाइल पर व्यस्त रहते हैं। बच्चे वही सीखते हैं जो वे घर में देखते हैं। यदि परिवार के सदस्य भोजन के समय, बातचीत के दौरान या छुट्टियों में भी मोबाइल से चिपके रहें, तो बच्चों से अलग व्यवहार की अपेक्षा करना उचित नहीं होगा। इसलिए बदलाव की शुरुआत पूरे परिवार से होनी चाहिए।

परिवारों को कुछ सरल नियम अपनाने होंगे। घर में 'नो मोबाइल टाइम' तय किया जा सकता है, जैसे भोजन के दौरान या सोने से एक घंटा पहले। सप्ताह में एक दिन डिजिटल अवकाश रखा जा सकता है, जिसमें परिवार साथ बैठकर बातचीत करे, खेल खेले या बाहर घूमने जाए। बच्चों को खेल, संगीत, पुस्तकें, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना भी जरूरी है। जब उन्हें वास्तविक जीवन में आनंद मिलेगा, तब वे स्वाभाविक रूप से स्क्रीन पर कम समय बिताएंगे।

विद्यालयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि डिजिटल अनुशासन, साइबर सुरक्षा और संतुलित जीवनशैली पर भी बच्चों को नियमित रूप से जागरूक किया जाना चाहिए। शिक्षकों और अभिभावकों के बीच लगातार संवाद बना रहना चाहिए ताकि बच्चों के व्यवहार में आ रहे बदलावों को समय रहते समझा जा सके।

सरकार और तकनीकी कंपनियों को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्क्रीन टाइम नियंत्रण के बेहतर विकल्प और जागरूकता अभियान समय की मांग हैं। तकनीक का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि इंसान को उसका गुलाम बनाना।

आज जरूरत किसी पीढ़ी को दोष देने की नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच विश्वास का पुल बनाने की है। बच्चे यदि माता–पिता की चिंता को समझें और माता–पिता भी बदलते समय के साथ संवाद का तरीका बदलें, तो समाधान संभव है। आदेश और डांट की जगह मित्रवत बातचीत अधिक प्रभावी साबित हो सकती है।

स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगा। इसे पूरी तरह छोड़ना न संभव है और न ही आवश्यक। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम तकनीक का उपयोग करें, तकनीक हमें उपयोग न करने लगे। बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए मोबाइल और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाना ही सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

माता–पिता की चिंता को केवल रोक–टोक समझना भूल होगी। उनके अनुभव, उनकी फिक्र और उनका निस्वार्थ प्रेम ही बच्चों की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि नई पीढ़ी इस भावना को समझ सके और परिवार संवाद की परंपरा को फिर से मजबूत बना सके, तो तकनीक और मानवीय रिश्तों के बीच संतुलन स्थापित करना कठिन नहीं होगा। यही संतुलन आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम साबित होगा।

विचार विंडो

ईमानदारी ही व्यक्ति की सबसे बड़ी पहचान

जावेद अख्तर

आज के दौर में सफलता को अक्सर धन, प्रसिद्धि, पुरस्कार और सोशल मीडिया पर मिलने वाली लोकप्रियता से मापा जाता है। जो जितना अधिक चर्चित है, उसे उतना ही सफल माना जाता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि समय की कसौटी पर वही व्यक्ति खरा उतरता है, जिसकी पहचान उसकी ईमानदारी, विश्वसनीयता और नैतिक मूल्यों से बनती है। प्रतिभा व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है, लेकिन चरित्र और सत्यनिष्ठा ही उसे वहां टिकाए रखते हैं। इसलिए किसी भी क्षेत्र में सफलता से अधिक महत्वपूर्ण इंटेग्रिटी यानी बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी है। इंटेग्रिटी का अर्थ केवल झूठ न बोलना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है कि व्यक्ति जो सोचता है, वही कहे और जो कहे, उसी पर स्वयं भी अमल करे। विचार, व्यवहार और कर्म में एकरूपता ही इंटेग्रिटी की सबसे बड़ी पहचान है। यदि कोई व्यक्ति दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाए लेकिन स्वयं उसका पालन न करे, तो उसकी विश्वसनीयता स्वतः समाप्त हो जाती है। यही कारण है कि समाज अंततः उसी व्यक्ति पर भरोसा करता है जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता।

आज सूचना क्रांति के युग में हर व्यक्ति अपनी बात दुनिया तक पहुंचा सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति के अवसर तो बढ़ाए हैं, लेकिन साथ ही लोकप्रियता की होड़ भी पैदा कर दी है। लाइक, शेयर और फॉलोअर्स की संख्या कई बार सत्य से अधिक महत्वपूर्ण प्रतीत होने लगती है। ऐसे माहौल में अनेक लोग वही बोलने लगते हैं जो भीड़ सुनना चाहती है। यह प्रवृत्ति अल्पकालिक लोकप्रियता तो दिला सकती है, लेकिन दीर्घकाल में व्यक्ति की विश्वसनीयता को कमजोर कर देती है।

विशेष रूप से साहित्य, पत्रकारिता, कला और सिनेमा जैसे क्षेत्रों में बौद्धिक ईमानदारी अत्यंत आवश्यक है। लेखक, कलाकार और पत्रकार समाज के विचारों को दिशा देने का कार्य करते हैं। यदि वे केवल तालियां बटोरने या किसी विचारधारा को खुश करने के लिए अपनी अभिव्यक्ति बदलने लगें, तो समाज का बौद्धिक संतुलन कमजोर पड़ जाएगा। सच्चा रचनाकार वही होता है जो परिस्थितियों के दबाव में भी अपने विवेक और सत्य के साथ खड़ा रहने का साहस रखता है।

ईमानदारी का एक महत्वपूर्ण पक्ष अपनी गलतियों को स्वीकार करना भी है। कोई भी व्यक्ति सर्वज्ञ नहीं होता और न ही हर निर्णय हमेशा सही हो सकता है। परिस्थितियां बदलती हैं, नई जानकारियां सामने आती हैं और कई बार हमारी धारणाएं गलत साबित हो जाती हैं। ऐसे समय में अपनी भूल स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का प्रमाण है। जो व्यक्ति अपनी गलती मानने का साहस रखता है, वही निरंतर सीखता और आगे बढ़ता है। इसके विपरीत जो अपनी हर बात को अंतिम सत्य मान बैठता है, वह धीरे–धीरे सीखने की क्षमता खो देता है।

भारतीय परंपरा भी आत्ममंथन और आत्मसुधार को सर्वोच्च स्थान देती है। हमारे ऋषि–मुनियों ने कभी यह दावा नहीं किया कि उनके पास सभी प्रश्नों के अंतिम उत्तर हैं। उन्होंने निरंतर संवाद, प्रश्न और चिंतन की परंपरा को बढ़ावा दिया। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों तक जीवंत बनी रही। आधुनिक समाज में भी यही दृष्टिकोण प्रासंगिक है। बदलती परिस्थितियों में अपने विचारों की समीक्षा करना और आवश्यक होने पर उन्हें सुधारना बौद्धिक विकास की पहचान है।

कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी ईमानदारी का विशेष महत्व है। कोई भी कलाकार तभी महान बनता है जब वह अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और अपने अनुभवों के प्रति सच्चा रहता है। केवल आधुनिक या वैश्विक दिखने की होड़ में अपनी सांस्कृतिक पहचान से दूरी बना लेना रचनात्मकता को कमजोर करता है। दुनिया के महान साहित्यकारों, फिल्मकारों और कलाकारों ने अपनी स्थानीय संस्कृति को पूरी सच्चाई के साथ प्रस्तुत किया और इसी कारण उनका काम वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया। स्थानीय अनुभवों की सच्चाई ही उन्हें सार्वभौमिक बनाती है।

आज के समय में कॉरपोरेट जगत, राजनीति, शिक्षा और प्रशासन में भी इंटेग्रिटी की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। केवल आर्थिक उपलब्धियां किसी संस्था की प्रतिष्ठा नहीं बनातीं। जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि किसी संस्था या व्यक्ति की विश्वसनीयता समाप्त हो जाए तो उसकी सारी उपलब्धियां फीकी पड़ जाती हैं। यही कारण है कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण आज सुशासन और सफल प्रबंधन के मूल आधार माने जाते हैं।

युवाओं के लिए भी यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में कई बार शॉर्टकट अपनाने, झूठ बोलने या दिखावे के माध्यम से आगे बढ़ने का प्रलोभन मिलता है। लेकिन ऐसे रास्ते स्थायी सफलता नहीं देते। मेहनत, सत्यनिष्ठा और आत्मविश्वास पर आधारित सफलता भले ही थोड़ी देर से मिले, लेकिन वह लंबे समय तक सम्मान दिलाती है। जीवन में ऐसा चरित्र विकसित करना चाहिए जिस पर लोग आंख बंद करके विश्वास कर सकें।

परिवार भी इंटेग्रिटी की पहली पाठशाला है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने घर में देखते हैं। यदि माता–पिता ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी का पालन करेंगे, तो वही संस्कार अगली पीढ़ी तक पहुंचेंगे। समाज का नैतिक स्तर किसी कानून से नहीं, बल्कि परिवारों में दिए जाने वाले मूल्यों से तय होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सफलता की परिभाषा को केवल प्रसिद्धि और धन तक सीमित न रखा जाए। व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके चरित्र, विश्वसनीयता और नैतिक साहस से होती है।

तालियां क्षणिक होती हैं, लेकिन विश्वास स्थायी होता है। लोकप्रियता समय के साथ बदल सकती है, पर ईमानदारी से अर्जित सम्मान जीवनभर साथ रहता है। अंततः, किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसके नैतिक मूल्य होते हैं। यदि व्यक्ति अपनी गलतियों को स्वीकार करने का साहस रखे, सत्य के प्रति निष्ठावान रहे और अपने विचारों तथा व्यवहार में ईमानदारी बनाए रखे, तो वह न केवल स्वयं बेहतर नागरिक बनता है बल्कि समाज को भी सही दिशा देता है। यही इंटेग्रिटी की वास्तविक शक्ति है। सफलता का शोर समय के साथ शांत हो जाता है, लेकिन ईमानदारी की पहचान पीढ़ियों तक याद रखी जाती है।

टेस्ट में 149 साल बाद बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

दो खिलाड़ियों ने क्रिकेट में रचा नया इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज आमिर जंगू और कप्तान रोस्टन चेज ने टेस्ट क्रिकेट के 149 साल पुराने इतिहास में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो पहले कभी नहीं हुआ था।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में दोनों ने छठे विकेट के लिए 401 रन की ऐतिहासिक साझेदारी कर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। नॉर्थ साउंड में खेले जा रहे इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम शुरुआती झटकों के बाद मुश्किल में थी, लेकिन इसके बाद जंगू और चेज ने पारी को संभालते हुए विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

दोनों ने 602 गेंदों का सामना करते हुए यह रिकॉर्ड साझेदारी की। इससे पहले छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो और बेन स्टोक्स के नाम था, जिन्होंने 2016 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 399 रन जोड़े थे।

जंगू और चेज ने यह रिकॉर्ड सिर्फ 2 रन से तोड़ दिया। आमिर जंगू ने अपने करियर के सिर्फ दूसरे टेस्ट में ही 233 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान रोस्टन चेज 184 रन बनाकर नाबाद लौटे। जंगू की यह पारी वेस्टइंडीज के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी बन गई।

यह साझेदारी वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी पार्टनरशिप भी रही, जबकि टेस्ट क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए यह दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। हालांकि, सबसे बड़ी साझेदारी का वर्ल्ड रिकॉर्ड अब भी कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम दर्ज है।

इंग्लैंड ने गत विजेता न्यूजीलैंड को हराया

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गत विजेता न्यूजीलैंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस हार के साथ ही न्यूजीलैंड का सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई। केनिंग्टन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत थोड़ी खराब रही, लेकिन इसके बाद डैनी वायट और सोफी डंकले ने मोर्चा संभाल लिया। डैनी वायट ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 89 रनों की नाबाद आतिशी पारी खेली, जबकि डंकले ने भी अहम योगदान दिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 128 रनों की अटूट साझेदारी हुई, जिससे इंग्लैंड ने सिर्फ 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने अपनी बादशाहत साबित कर दी, जबकि न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा और उसका खिताब बचाने का सपना अधूरा रह गया।

रोहित शेट्टी को फिर मिली जान से मारने की धमकी

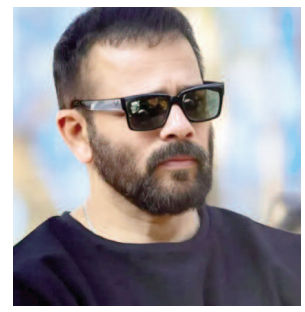

20 करोड़ की रंगदारी की मांग

घर नहीं,अब डायरेक्टर को बनाया निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर धमकी मिलने के बाद सुर्खियों में हैं। शनिवार सुबह उनके स्टाफ को एक ऑडियो क्लिप मिली, जिसमें रोहित से 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। कथित तौर पर धमकी देने वाले ने चेतावनी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो इस बार निशाना उनके घर पर नहीं, बल्कि सीधे रोहित शेट्टी होंगे।

इस घटना के बाद मुंबई पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और जुहू पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। करीब 90 सेकेंड की इस ऑडियो क्लिप को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है ताकि आवाज की पहचान की जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडियो में सुनाई देने वाली आवाज कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े वांछित आरोपी शुभम लोणकर की बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि इसी साल फरवरी में रोहित शेट्टी के जुहू स्थित बंगले के बाहर देर रात पांच राउंड फायरिंग हुई थी। उस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। अब नई धमकी के बाद निर्देशक की सुरक्षा और एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है।

82 साल की उम्र में चार्ली डेविस ने दुनिया को कहा अलविदा

क्रिकेट जगत में शोक

मैदान पर खिलाड़ियों ने काली पट्टी बांधकर दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज चार्ली डेविस का 82 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

चार्ली डेविस ने 1968 से 1973 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 15 टेस्ट मैच खेले और 54.20 की शानदार औसत से 1301 रन बनाए।

उनके नाम चार शतक और चार अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 183 रन रहा।

1969 में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर जड़ा गया उनका पहला टेस्ट शतक आज भी यादगार माना जाता है।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 134 मैचों में 5538 रन बनाए।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उन्हें कैरेबियाई क्रिकेट के प्रेरणास्त्रोत खिलाड़ियों में शामिल करते हुए श्रद्धांजलि दी है। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर ट्रोल्स पर बरसे अली गोनी

शादी के सवालों से तंग आए अली गोनी

बार–बार सवालों पर अली गोनी ने दिया मजेदार जवाब

'इंस्टा वाले रिश्तेदारों से आगे निकल गए'

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी अभिनेता अली गोनी ने आखिरकार अपनी और जैस्मिन भसीन की शादी को लेकर चल रही अफवाहों पर चुप्पी तोड़ दी है। सोशल मीडिया पर लगातार शादी से जुड़े सवालों से परेशान होकर अली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

अली ने अपने पोस्ट में लिखा,"जब शादी करनी होगी, खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार भी मेरे इतने पीछे नहीं पड़े हैं, जितना यहां इंस्टाग्राम पर लोग पीछे पड़े हैं। अपना–अपना काम करो, खुश रहो और रहने दो। इसके साथ उन्होंने फोल्डेड हैंड और हंसने वाली इमोजी भी शेयर की।

हाल ही में एक इंटरव्यू में अली ने अपने वेडिंग प्लान्स पर भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनके और जैस्मिन, दोनों के परिवार चाहते हैं कि अब दोनों शादी कर लें। अली ने कहा कि उनकी मां भी लगातार शादी के लिए कह रही हैं। हालांकि, उनका मानना है कि सही समय आने पर ही यह फैसला लिया जाएगा।

अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि जैस्मिन शादी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अब वह खुद भी चाहते हैं कि जल्द शादी हो जाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या फैंस इस साल शादी की उम्मीद कर सकते हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा,"हो सकता है।"

अली गोनी और जैस्मिन भसीन की पहली मुलाकात 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान हुई थी। दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में बदली और 'बिग बॉस 14' में दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। तब से यह जोड़ी फैंस की पसंदीदा बनी हुई है और अब सभी को इनके शादी की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

वर्ल्ड कप में लगातार सात मैचों में गोल कर इतिहास रचा

ग्रुप स्टेज खत्म, अब शुरू होगी ट्रॉफी की जंग

लियोनेल मेसी का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का ग्रुप स्टेज आखिरकार समाप्त हो गया है और अब टूर्नामेंट अपने सबसे रोमांचक पड़ाव में पहुंच चुका है। 16 दिनों तक चले ग्रुप मुकाबलों के बाद राउंड ऑफ 32 की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। अब मैदान पर उतरने वाली 32 टीमों के लिए हर मुकाबला 'करो या मरो' जैसा होगा, क्योंकि एक हार सीधे टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा देगी। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस विश्व कप में पहली बार 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। नए फॉर्मेट के तहत 12 ग्रुपों की शीर्ष दो टीमें और आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों ने नॉकआउट दौर में जगह बनाई है। यही वजह है कि इस बार कई ऐसी टीमें भी अगले चरण में पहुंची हैं, जिन्होंने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। नॉकआउट राउंड में मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना का मुकाबला पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही केप वर्डे से होगा। दूसरी ओर, पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टक्कर एशिया की मजबूत टीम जापान से होगी, जिसे टूर्नामेंट के सबसे दिलचस्प मुकाबलों में से एक माना जा रहा है। यूरोप की दो बड़ी टीमों के बीच भी जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी। फ्रांस का सामना स्वीडन से होगा, जबकि पुर्तगाल को 2018 वर्ल्ड कप की उपविजेता क्रोएशिया की चुनौती मिलेगी। ये मुकाबले फुटबॉल प्रेमियों के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं होंगे। राउंड ऑफ 32 का आखिरी मुकाबला 4 जुलाई को कोलंबिया और घाना के बीच खेला जाएगा। इसके बाद विजेता टीमें प्री–क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ते हुए खिताब की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत करेंगी। अब से टूर्नामेंट का हर मैच निर्णायक होगा। दुनिया की दिग्गज टीमों के साथ कई उभरती हुई टीमें भी इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। ऐसे में फुटबॉल प्रशंसकों को आने वाले दिनों में रोमांच, बड़े उलटफेर और हाई–वोल्टेज मुकाबलों का भरपूर आनंद मिलने वाला है।

हॉलीवुड स्टार का भारत में ट्रेडिशनल अवतार

यूनिक समय, नई दिल्ली। हॉलीवुड फिल्म के मशहूर अभिनेता टायरेस गिब्सन इन दिनों भारत दौरे पर हैं। उन्होंने अपनी इस यात्रा को "आध्यात्मिक और जीवन बदलने वाला अनुभव" बताया है। टायरेस ने इंस्टाग्राम पर भारत यात्रा की तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिसमें वह मुंबई के एक मंदिर में शिवलिंग पर आरती करते और दूध चढ़ाते नजर आ रहे हैं।अभिनेता ने बताया कि वह भारत केवल एक टूरिस्ट बनकर नहीं आए, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक विकास की तलाश में यहां पहुंचे थे। उन्होंने अपनी पोस्ट में मेडिटेशन, आभार और महात्मा गांधी के विचारों का भी जिकिकिया। टायरेस ने लिखा कि उनकी यह यात्रा उन्हें आंतरिक शांति की ओर ले गई है और यह अनुभव उनके जीवन को गहराई से प्रभावित कर गया है। उन्होंने भारत में मिले प्रेम और आतिथ्य के लिए भी आभार जताया। वर्कफ्रंट की बात करें तो टायरेस जल्द ही फास्ट 2 सहित कई हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे।

पिता के बर्थडे पर भावुक हुए नील नितिन मुकेश

आप मेरे सबसे बड़े टीचर और जिंदगी की प्रेरणा हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता नील नितिन मुकेश ने अपने पिता और मशहूर सिंगर नितिन मुकेश के जन्मदिन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पिता के साथ कई प्यारी तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और अपने दिल की भावनाएं व्यक्त कीं।

नील ने अपने पोस्ट में लिखा, "दुनिया के सबसे अच्छे पिता को 76वें जन्मदिन की बधाई। आप मेरे सबसे बड़े टीचर और सबसे मजबूत सहारा रहे हैं। आपने मुझे सिखाया है कि सम्मान, विनम्रता और प्यार के साथ जीवन कैसे जिया जाता है।" उन्होंने आगे कहा कि उनके भीतर मौजूद अच्छे गुणों और ताकत की जड़ें उनके पिता से ही जुड़ी हुई हैं।

अभिनेता ने अपने पिता का आभार जताते हुए लिखा कि उन्होंने हमेशा उन पर भरोसा किया, सही राह दिखाई और बिना किसी शर्त के प्यार दिया। नील ने यह भी कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि वे नितिन मुकेश के बेटे हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि पिता का मार्गदर्शन उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और उन्होंने जो संस्कार दिए हैं, वही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

में नील ने अपने पिता के लिए अच्छी सेहत, खुशियों और लंबे जीवन की कामना की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह भविष्य में अपने पिता के साथ और भी खूबसूरत और यादगार पल बिताना चाहते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में आरोपियों पर पुलिस का शिकंजा

सभी आठ ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में पुलिस ने जांच तेज करते हुए रविवार सुबह सभी आठ आरोपियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। पुलिस की अलग-अलग टीमें अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, टिन्नू यादव समेत अन्य आरोपियों के घर पहुंचीं और परिजनों से पूछताछ के साथ साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की।

जांच के दौरान पुलिस ने घरों की तलाशी लेने के साथ स्थानीय लोगों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़ी हर जानकारी और संभावित साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं, ताकि चोरी की पूरी साजिश और उसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सके। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरोपियों के घरों के बाहर पुलिस बल भी तैनात रहा।

इसी क्रम में कौशलपुरी फेस-एक स्थित आरोपी अविनाश शुक्ला के किराये के मकान पर भी विशेष कार्रवाई की गई। पुलिस ने जांच के दौरान मकान के प्रवेश द्वार पर ताला लगाकर उसे निगरानी में ले लिया। अधिकारियों के अनुसार वहां से भी महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

79 लाख की नकदी अबतक बरामद हुई

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अब तक सात आरोपियों से करीब 79 लाख रुपये बरामद किए जा चुके हैं। इनमें सबसे अधिक लगभग 20 लाख रुपये अविनाश शुक्ला के कब्जे से मिलने की जानकारी सामने आई है। मामले में पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और सभी आठ आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि बरामदगी, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर विवेचना आगे बढ़ाई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद अदालत में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

धुएं से लोगों को हुई परेशानी

लखनऊ कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग, 50 घर खाली

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के चिनहट क्षेत्र स्थित एक कोल्ड स्टोरेज में रविवार सुबह भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग से उठता घना धुआं कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। धुएं के कारण आसपास करीब 400 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को सांस लेने और आंखों में जलन की परेशानी का सामना करना पड़ा। एहतियात के तौर पर पास की कॉलोनी के लगभग 50 घर खाली करा दिए गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 15 गाड़ियां और दो हाइड्रोलिक मशीनें मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए लगातार कई घंटे तक अभियान चलाया गया। बीच में आग दोबारा भड़कने से राहत कार्य और चुनौतीपूर्ण हो गया। कोल्ड स्टोरेज में रखी मिर्च, हल्दी, लकड़ी और बुरादे के कारण धुआं अधिक फैल गया, जिससे फायरकर्मियों को भी काफी दिक्कत हुई। करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आठ घंटे चला राहत बचाव अभियान

548 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

हाथरस से योगी का विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला

यूनिक समय, हाथरस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में करीब 548 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को विकास, बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेश के नए दौर में पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के बिना विकास संभव नहीं है और पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में शांति का वातावरण बना है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग सेंटर, उन्नत बीज और कृषि सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने गरीबों को मुफ्त राशन, आवास, शौचालय और उज्ज्वला योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र किया।

राजनीतिक मुद्दों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि

अखिलेश पर मथुरा मुद्दे साधा निशाना

अयोध्या का विकास रामभक्तों ने किया है और विपक्ष को इस पर राजनीति करने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने मथुरा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर भी विपक्ष की चुप्पी पर सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए आपातकाल का उल्लेख किया और कहा कि संविधान का सबसे बड़ा अपमान उसी दौर में हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिना भेदभाव सभी वर्गों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

झोलाछाप के इंजेक्शन से मासूम की मौत, तीन गंभीर

यूनिक समय, बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ कस्बे में कथित झोलाछाप चिकित्सक के इलाज के बाद डेढ़ वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि उसके तीन भाई-बहनों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

परिजनों के अनुसार, चारों बच्चों को इलाज के लिए एक निजी क्लीनिक ले जाया गया था। आरोप है कि इंजेक्शन लगाए जाने के तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर डॉक्टरों ने एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य तीन बच्चों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मासूम की मौत से गुस्साए परिजन शव लेकर दोबारा क्लीनिक पहुंचे, जहां भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति बिगड़ती देख क्लीनिक संचालक ने खुद को अंदर बंद कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लेकर हालात पर काबू पाया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्वास्थ्य विभाग भी पूरे मामले की जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि इलाज में लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर मुद्दे पर अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा

यूनिक समय, प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज दौरे के दौरान राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अयोध्या ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश में इस घटना को लेकर लोगों में नाराजगी है। उन्होंने दावा किया कि मामले की जांच में सामने आ रहे तथ्यों की निष्पक्ष पड़ताल होनी चाहिए।

राम मंदिर दर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा में केदारेश्वर मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद वह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या जाएंगे।

प्रेस वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धार्मिक मुद्दों पर राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी जैसी घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही

चढ़ावा चोरी पर सरकार निशाने पर

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पास धर्म और नैतिकता की बात करने का नैतिक आधार नहीं बचा है।

अखिलेश यादव ने राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था, पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर भी घेरा। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दे उठाता रहेगा और निष्पक्ष जांच की मांग करता रहेगा।

चयन प्रक्रिया पर उठीं नई आपत्तियां

भाजपा की नई प्रदेश टीम पर उठे कई सवाल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होने के बाद संगठन के भीतर और राजनीतिक गलियारों में चयन प्रक्रिया को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी ने मिशन-2027 को ध्यान में रखते हुए नई टीम तैयार की है, लेकिन कई नियुक्तियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। चर्चा इस बात की है कि जिन मानकों के आधार पर नई टीम बनाए जाने का दावा किया गया था, उनका पूरी तरह पालन नहीं हो सका।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, नई कार्यकारिणी के गठन से पहले कई दौर की बैठकों में यह तय किया गया था कि सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्य बनने वाले नेताओं को संगठन की जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाएगा। हालांकि, नई सूची में चार विधान परिषद सदस्यों को फिर से संगठन में स्थान मिलने के बाद इस फैसले पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर बहस शुरू हो गई है। नई टीम में क्षेत्रीय और सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी चर्चा हो रही है। विशेष रूप से कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र से प्रभावशाली ब्राह्मण चेहरे की कमी और युवा मोर्चा में नेतृत्व परिवर्तन

सिफारिश और संतुलन पर चर्चा तेज

को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ जानकार इसे संगठनात्मक रणनीति मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे अनुभव की अनदेखी बता रहे हैं। भाजपा नेतृत्व का कहना है कि नई टीम संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से बनाई गई है। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नई कार्यकारिणी की प्रभावशीलता का वास्तविक आकलन आने वाले समय में संगठनात्मक गतिविधियों और चुनावी प्रदर्शन के आधार पर होगा।

एसडीएम रिंकू सिंह फिर विवादों में, जांच शुरू

यूनिक समय, जालौन। जालौन में एसडीएम रिंकू सिंह राही एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। इस बार एक कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण के दौरान ब्लॉक प्रमुख ने उन पर अभद्र व्यवहार, थप्पड़ मारने का प्रयास और धक्का देने का आरोप लगाया है। शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश देते हुए एडीएम (वित्त एवं राजस्व) को जांच सौंपी है। शिकायत के अनुसार, 23 जून को एसडीएम विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बेतवा आइस एंड कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण पर पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने अभिलेख तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए और निर्धारित समय में दस्तावेज न मिलने पर नाराजगी जताई। ब्लॉक प्रमुख का दावा है कि इसी दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है और मौके पर मौजूद मजदूर भी गवाह हैं।

वहीं, एसडीएम रिंकू सिंह राही ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जांच को प्रभावित करने के उद्देश्य से उनके खिलाफ शिकायत की गई है। उल्लेखनीय है कि उनकी कार्यशैली को लेकर पहले भी विवाद सामने आ चुके हैं। अब पूरे मामले में प्रशासनिक जांच के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड

लोहागढ़ किले पर पहुंची पुलिस दोहराया हत्या का पूरा घटनाक्रम

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में पुलिस ने रविवार को अहम कदम उठाया। मुख्य आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को लोहागढ़ किले पर ले जाकर कथित वारदात का सीन रीक्रिएशन कराया गया। जांच टीम ने घटनास्थल पर वही परिस्थितियां तैयार कीं, जिनमें 18 जून को घटना होने का दावा किया गया है।

पुलिस ने एक डमी (पुतले) की मदद से यह समझने का प्रयास किया कि कथित तौर पर केतन अग्रवाल को किले की ऊंचाई से किस प्रकार नीचे धक्का दिया गया। अधिकारियों ने आरोपियों से घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता, घटना का क्रम और वारदात के दौरान उनकी गतिविधियों की भी जानकारी ली। इसका उद्देश्य आरोपियों के बयानों का उपलब्ध साक्ष्यों से मिलान करना है। जांच में यह भी सामने आया है कि वारदात की कथित रूप से पहले से योजना बनाई गई थी। पुलिस को संदेह है कि आरोपियों ने घटना से पहले किले पर पहुंचकर पूरे घटना क्रम का पूर्वाभ्यास भी किया था। इस पहलू की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन, इंटरनेट सर्च हिस्ट्री, डिलीट किए गए संदेश और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की वैज्ञानिक तरीके से पड़ताल के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल साक्ष्यों से जांच को मिली नई दिशा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में पुलिस को डिजिटल साक्ष्यों से महत्वपूर्ण सुराग मिलने का दावा किया गया है। जांच अधिकारियों के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने वारदात से पहले इंटरनेट पर हत्या के तरीकों और पुलिस जांच से जुड़े विषयों पर जानकारी खोजी थी। इन दावों की पुष्टि के लिए मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है।

पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर घटनास्थल का पहले से निरीक्षण किया और मोबाइल से कुछ चैट तथा डिजिटल रिकॉर्ड भी हटाने का प्रयास किया। जांच एजेंसियां अब डिलीट किए गए डेटा को पुनर्प्राप्त करने में जुटी हैं। मामले की कड़ियों को जोड़ने के लिए पुलिस ने घटनास्थल पर क्राइम सीन का पुनर्निर्माण भी कराया। वहीं, मृतक के परिवार ने घटना के संबंध में जानकारी रखने वाले लोगों से आगे आकर पुलिस की मदद करने की अपील की है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

राजा रघुवंशी की मां ने मांगा आरोपियों को कड़ा दंड

यूनिक समय, नई दिल्ली। मेघालय में राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद उनकी मां उमा रघुवंशी ने एक बार फिर न्याय की मांग दोहराई है। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों मामलों में उन्हें कई समानताएं नजर आती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर अपराधों के आरोपियों के प्रति कानून को सख्त रुख अपनाना चाहिए। उमा रघुवंशी ने कहा कि यदि किसी को किसी रिश्ते से आपत्ति है तो उसे स्पष्ट रूप से इंकार करना चाहिए, न कि हिंसा का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने केतन अग्रवाल के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए न्याय की लड़ाई जारी रखने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि गंभीर मामलों में आरोपियों को कानून के अनुसार कड़ी सजा मिलनी चाहिए। फिलहाल राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल, दोनों मामलों की जांच संबंधित पुलिस एजेंसियां कर रही हैं और अंतिम निर्णय न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर होगा।

सेशेल्स के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और सतत विकास के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नाम किसी विदेशी देश से प्राप्त होने वाला यह 34वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान दर्ज हो गया।

इस सम्मान को भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को मिली अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है।

सेशेल्स सरकार ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों और सतत विकास को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका की सराहना करते हुए यह सम्मान प्रदान किया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सम्मान भारत और सेशेल्स के मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों का भी प्रतीक है। साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सक्रिय भूमिका और वैश्विक सहयोग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विदेशी देशों से मिला यह चौतीसवां अंतरराष्ट्रीय सम्मान

हिमाचल प्रदेश के चंबा में नदी में गिरी कार, चार लोगों की मौत

यूनिक समय, चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। चुराह उपमंडल के नकरोड़–हिमगिरि मार्ग पर देर रात एक अल्टो कार अनियंत्रित होकर बैरा स्यूल नदी में जा गिरी। हादसे की जानकारी रविवार सुबह स्थानीय लोगों को मिली, जिसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव अभियान चलाकर वाहन सवार चारों लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में वाहन के अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने की आशंका जताई गई है।

मुहर्रम से पहले मुंबई पुलिस ने संदिग्ध साजिश नाकाम की

यूनिक समय, मुंबई। मुहर्रम जुलूस से पहले मुंबई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 14,900 संदिग्ध कैप्सूल बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में दावा किया गया है कि इनमें जिंक फॉस्फाइड जैसा जहरीला पदार्थ भरा गया था। मामले की जांच विभिन्न एजेंसियां कर रही हैं।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी कुछ दिनों से मुंबई के डोंगरी क्षेत्र में ठहरा हुआ था। पूछताछ और तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में कैप्सूल बरामद किए गए। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आरोपी के संभावित उद्देश्य और उसके संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि आरोपी पिछले कुछ वर्षों में कई बार ईरान और इराक की यात्रा कर चुका है। पुलिस इन यात्राओं के उद्देश्य और अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

जहरीले कैप्सूल के साथ आरोपी गिरफ्तार

जुलूस सुरक्षा को लेकर बढ़ी सतर्कता

आर्म्स वेरिफिकेशन में खुलासा

खान सर ने अवैध हथियार से चलवाई थी गोली

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में चर्चित फायरिंग मामले में पुलिस जांच के दौरान खान सर के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों और लाइसेंस को लेकर नए तथ्य सामने आए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, फायरिंग में इस्तेमाल किए गए एक हथियार का लाइसेंस पूरे देश में मान्य नहीं था। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित गार्ड के पास बिहार में हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने की आवश्यक अनुमति नहीं थी।

दूसरे बॉडीगार्ड के हथियार की जांच में भी पुलिस ने लाइसेंस के उपयोग से जुड़े कुछ बिंदुओं को केस डायरी में शामिल किया है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों हथियारों और लाइसेंस की वैधता की जांच जारी है। पुलिस ने इन तथ्यों को अपनी अपडेटेड केस डायरी में दर्ज किया है। मामले में खान सर और उनके दोनों गार्ड्स की जमानत याचिका पर 30 जून को सुनवाई होनी है। वहीं, एफआईआर रद्द करने संबंधी याचिका पर 13 जुलाई को हाईकोर्ट में सुनवाई प्रस्तावित है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। अंतिम निष्कर्ष अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर तय होंगे।

एक बॉडीगार्ड के पास परमिट नहीं, दूसरे के पास सेल्फ डिफेंस का लाइसेंस

'सॉरी दीदी' बोलकर वीडियो बनाने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से महिला राइडर्स और नाबालिग लड़कियों के वीडियो बनाकर अपलोड करने के आरोप में एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी जानबूझकर महिला राइडर्स के पास जाकर उन्हें परेशान करता, फिर उनकी जानकारी या अनुमति के बिना वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा करता था।

मामला एक शिकायत के बाद सामने आया, जिसमें आरोप लगाया गया कि दो बाइक सवारों ने नाबालिग लड़कियों का पीछा किया, उनकी स्कूटी को टक्कर मारी और बाद में उनके वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए। पुलिस ने जांच के दौरान डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पूछताछ में सोशल मीडिया पर अधिक व्यूज, फॉलोअर्स और कमाई के लिए ऐसे वीडियो बनाने की बात स्वीकार कर चुका है। उसके मोबाइल फोन से कई वीडियो और अन्य डिजिटल सामग्री भी बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि इस तरह के कितने वीडियो अपलोड किए गए और मामले में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं।

ट्रम्प की चेतावनी के बीच अमेरिका ईरान में तनाव और बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वह अपनी गतिविधियों से बाज नहीं आया तो उसका अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि अमेरिका ने अब तक संयम बरता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई को आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

इसी बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की गई। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह अभियान एक तेल टैंकर पर हुए कथित ड्रोन हमले के जवाब में चलाया गया। दूसरी ओर,

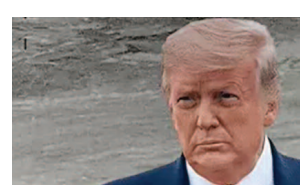

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने बहरीन स्थित अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस और कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य तनाव से पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं गहरा गई हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

ट्रेन में कूड़ेदान पास था, फिर भी सीट बनी डस्टबिन

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने ट्रेनों की सफाई को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अक्सर गंदी ट्रेनों के लिए रेलवे को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन वायरल वीडियो के बाद कई लोग यात्रियों की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

वीडियो में दावा किया गया है कि एक महिला सफर के दौरान मूंगफली खाती रही और उसके छिलके डस्टबिन में डालने के बजाय बार–बार अपनी सीट के नीचे फेंकती रही। इतना ही नहीं, कथित तौर पर उसने वहीं बैठकर हाथ भी धोए, जिससे पानी ट्रेन के फर्श पर फैल गया। वीडियो साझा करने वाले व्यक्ति का दावा है कि यह सिलसिला पूरे सफर के दौरान चलता रहा, जबकि पास में कूड़ेदान मौजूद था।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कई यूजर्स का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना केवल रेलवे या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है। यदि यात्री स्वयं कचरा डस्टबिन में डालें और स्वच्छता के नियमों का पालन करें, तो ट्रेनों में गंदगी काफी हद तक कम हो सकती है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि दूसरों को असुविधा पहुंचाने वाली आदतों से बचना हर नागरिक का कर्तव्य है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान तभी सफल होगा, जब व्यवस्था के साथ–साथ आम लोग भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

ट्रेन में महिला ने किया ऐसा, छिड़ गई बहस

यात्रियों की जिम्मेदारी भी जरूरी

बुलेट बाइक सवार दो युवकों पर रंजिश में चढ़ा दिया ट्रैक्टर

एक की हुई मौत दूसरा घायल

ट्रैक्टर से 50 मीटर तक खींचते ले गया था बुलेट को

यूनिक समय,मथुरा। थाना कोसीकलां के गांव सांचोली में खेत से बुलेट पर जाते दो लोगों पर दुश्मनी के चलते गांव के एक ग्रामीण ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया। घटना में एक युवक की मौत हो गई, दूसरा घायल है।

सांचोली निवासी रसीद ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि रविवार सुबह आठ बजे उसका पुत्र मुकीम (22) अपने रिश्तेदार सपात की बुलेट मोटरसाइकिल पर बैठकर खेत पर जा रहा था। बुलेट को मुकीम चला रहा था। पीछे सपात निवासी गांव बिछोर बैठा हुआ था।

गाव से निकलते ही रास्ते में नेपाल के कुआं के पास गांव के धनसिंह ने गलत साईड से तेज गति से आ रहे लाल रंग के महेन्द्रा ट्रैक्टर को मोटरसाईकिल पर चढ़ा दिया। करीब 50 मीटर तक ट्रैक्टर के पीछे लगे कल्टीवेटर से वह बाइक को खींचता हुआ ले गया। जिसमें मुकीम और सपात गंभीर घायल हो गये। धनसिंह टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर को लेकर यह कहता हुआ भाग गया कि आज तो साले मुकीम को मार दिया। घायल मुकीम को केडी हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल सपात ने बताया कि मुकीम की मारने की बात धनसिंह कहता हुआ गया था। पीड़ित ने इस मामले में कोसीकलां थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

हाइवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

यूनिक समय,चौमुहां। शनिवार को एनएच–19 पर शिवा ढाबा के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सर्वेश (35) पुत्र रामविलास, निवासी ग्राम अतरधनी, थाना बांगरमऊ जनपद उन्नाव के रूप में हुई है। बताया गया कि सर्वेश वृंदावन में रह रहे अपने मित्र समर सिंह, निवासी जिपनखेड़ा, थाना फतेहपुर चौरासी, जनपद उन्नाव के पास घूमने आया था। शनिवार को आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग–19 के किनारे टहलने के दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

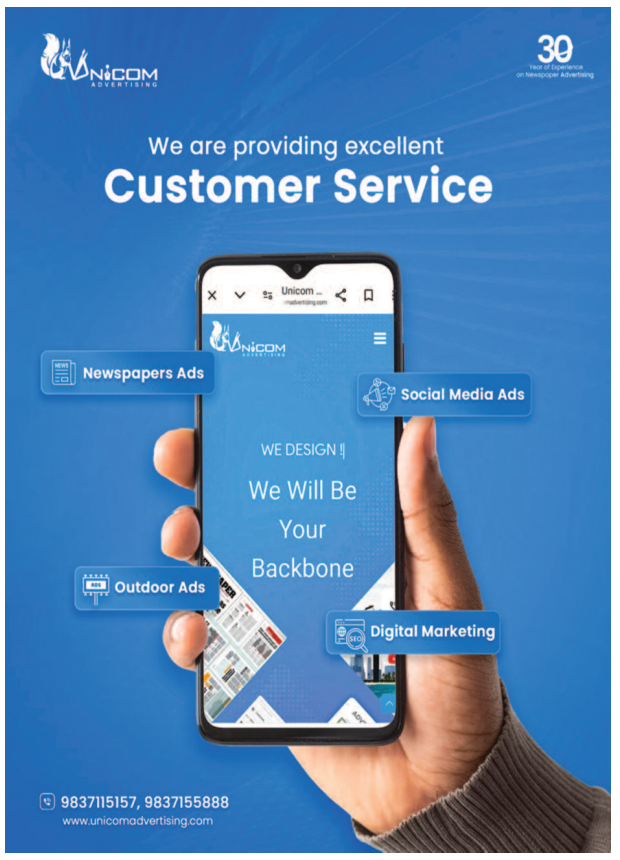

हाइवे पर रविवार को भी लगा कई स्थानों पर जाम

नवादा पुल पर जाम में फंसे वाहन।

जाम में फंसे वाहनों के चलते पुलिस को करनी पड़ी कवायद

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को भी हाइवे पर जाम के हालत रहे। हाइवे पर चलने वाले वाहनों की स्पीड पर घंटो जाम के चलते ब्रेक लगा रहा। जाम को खुलवाने में ट्रैफिक पुलिस को भी मशक्कत करनी पड़ी। सर्विस रोड पर लगा जाम राहगीर और छोटे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ाता रहा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 19 को वाहनों को तेज रफ्तार देने के लिए बनाया गया है, लेकिन मथुरा से होकर गुजरने वाले इस हाइवे की हालत शहर की सड़कों से गुजरने वाले मार्ग से भी बुरी नजर आती है।

लोग घंटो जाम में फंसे रहते हैं। रविवार को भी हाइवे पर चलने वाले वाहनों की स्पीड पर ब्रेक लगा रहा। आगरा से दिल्ली जाने वाले और दिल्ली से आगरा की ओर जाने वाले मार्ग पर जयगुरुदेव के समीप सर्विस लाइन पर वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। इसी तरह नरहौली चौराहे और नवादा पुल पर भी वाहन जाम में फंसे रहे। एसी गाड़ियों में बैठे लोगों को तो गर्मी से कोई फर्क नहीं पड़ा, लेकिन वाहनों के इंजन और साइलेंसरों निकलने वाले धुएं से पैदा होने वाली गर्मी वहां खड़े दुपहिया वाहन और तिपहिया वाहनों में सवार लोगों का बुरा हाल हो रहा है। इसके साथ ही शहर में भूतेश्वर तिराहे और स्टेट बैंक तिराहे पर भी काफी समय तक जाम के चलते वाहनों की लाइन लगी रही। जाम को खुलवाने के लिए पुलिस को कवायद करनी पड़ी।

बीएसए ने कराई पत्रकार के खिलाफ की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए रतन कीर्ति ने एक पत्रकार के खिलाफ थाना हाइवें में मुकदमा दर्ज कराया है।

पत्रकार पर आरोप है कि एक स्कूल के खिलाफ झूंठी और मनगढ़त शिकायत करने के बाद स्कूल प्रबंधन पर कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाया गया। कार्रवाई न करने पर उनको ब्लेक मेल और धमकी दिए जाने और एक फर्जी वीडियो वायरल कर समाचार पत्रों में भ्रामक खबरें छपवा कर दबाव बनाने की बात कही है। बीएसए की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि 20 जून को अशोका इंटेलेक्चुअल ग्लोबल स्कूल के खिलाफ समाचार 24 कार्यालय 445/500 विश्वास नगर, ठाकुर गंज लखनऊ के लेटर हैड पर झूंठी और तथ्यहीन शिकायत की गई।

इस पर बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी को जांच अधिकारी नामित करके स्कूल की स्थलीय जांच कराई। जांच में शिकायत निराधार और तथ्यहीन निकली। इसके बाद पत्रकार ने स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाया गया। दबाव में न आने पर पत्रकार ने एक फर्जी वीडियो बनाकर ब्लेकमेल करने और अधिकारियों की छवि खराब करने के उदेश्य से सोशल मीडिया पर डाला। दबाब बनाने के लिए समाचार पत्रों में भ्रामक समाचार छपवाए गए। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है।

चालक का सिर फोड़ बदमाश लूट ले गए बुक कार

देवराहा बाबा आश्रम के पास वारदात को दिया अंजाम

यूनिक समय, मांट। शनिवार रात देवराहा बाबा आश्रम के समीप चालक के सिर पर प्लास से प्रहार कर बदमाश बुक कराके लाई कार को लूट ले गए। बदमाशों के प्लास से प्रहार करने करने की वजह से चालक गंभीर घायल हो गया। बदमाश चालक का मोबाइल भी ले गए। जानकारी के अनुसार पालम गांव, दिल्ली में रहने वाले पवन कुमार सिंह अपनी मारुति अर्टिगा कार ऑनलाइन टेक्सी सर्विस के द्वारा चलाते हैं। शनिवार रात को एक कॉल आने पर खैर के होडल हसनपुर चौराहे से पवन ने वृंदावन के लिए तीन लोगों को बिठाया था।

बुकिंग के बाद चालक तीन सवारियों को बिठाकर चल दिया। रात के सन्नाटे में मांट थाना क्षेत्र के देवराहा बाबा आश्रम से करीब 500 मीटर पहले गाड़ी में बैठे तीनों लोग अपने असली रूप में आ गए। बदमाशों ने चालक पर हमला बोल दिया। बदमाशों ने पवन कुमार के सिर पर भारी प्लास से ताबड़तोड़ वार किए। अचानक हुए इस हमले से चालक संभल भी नहीं सका और लहूलुहान होकर सीट पर ही गिर गया। इसके बाद चालक को बदमाशों ने कार से नीचे फैंक दिया और कार को लेकर भाग गए। पुलिस ने पवन की तहरीर पर रविवार को तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आस–पास के सीसी कैमरों की फुटेज चेक कर रही है। सर्विलांस टीम भी इस मामले में जुटी हुई है।

स्कूल–कॉलेजों में भी आग के खतरे की घंटी

प्रमुख संवाददाता

होटल और गेस्ट हाउसों की तरह ही यहां भी जांच हो

यदि कोई हादसा हो जाए तो कैसे बचाव होगा

स्कूली वाहनों में फायर सिस्टम हैं या नहीं

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। अभी हाल ही में कई शहरों में लगी आग की घटनाएं लोगों के लिए चिंता का कारण बन गई। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में लगी आग की 15 विद्यार्थियों की जान चली जाने के बाद जागी सरकार के निर्देश पर जिले के अधिकारियों की नींद टूट गई। धड़ाधड़ कोचिंग सेंटर, होटल और गेस्ट हाउसों को नियमों के विपरीत पाए जाने पर सील की कार्रवाई शुरु हो गई, पर चिंता की बात अब अभिभावकों में यह बढ़ गई कि क्या स्कूल–कॉलेज आग से सुरक्षित हैं। इनकी जांच कब होगी। एक जुलाई से शैक्षिणक सत्र फिर शुरु हो जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरु हो रही है। हालांकि कई स्कूल- कॉलेज खुल भी गए हैं।

अधिकारियों की टीमों को स्कूल कॉलेज में जाकर भी यह देखना चाहिए कि यहां कोई आग की जैसी घटना या फिर कोई हादसा होता है तो उसके लिए प्रबंध तंत्र की तैयारियां कितनी हैं। निजी कॉलेजों में क्या नियमों से क्लास रुम और सीढ़ियां बनाई गई हैं या नहीं। हादसा होने पर बच्चों को कैसे बचाया जाएगा।

फायर सिस्टम लगा है तो क्या काम कर रहे हैं या नहीं। दमकल गाड़ियों की क्या व्यवस्था है। लोगों का कहना है कि जितने होटल और गेस्ट हाउस की जांच हो रही है, उसी तरह से स्कूल कॉलेजों की जांच जरूरी है। स्कूल–कालेजों के साथ–साथ छात्र–छात्राओं को लाने वाली गाड़ियों में आग लगने पर फायर सिस्टम का इंतजाम है या नहीं। यदि हैं, उसके लिए नियुक्त कर्मचारी ट्रेंड है या नहीं। जानकारों की मानें तो कई निजी स्कूलों के अंदर बेसमेंटों में क्लासें चल रही हैं। शायद इन क्लासों पर अधिकारियों की नजर आती है, भले नौनिहालों के साथ कुछ भी हो जाए। यदि वह किसी के हादसे के शिकार होंगे, तो एक जांच की घोषणा हो जाएगी। लापरवाह अफसर बच निकलेंगे। समाजसेवी सुधीर शुक्ला का कहना है कि आए दिन होने वाले अग्निकांडों को देखते हुए स्कूल कॉलेजों में जांच होना जरुरी है। यहां सभी के लाड़ले लाड़लियों का भविष्य जुड़ा है। समाजसेवी महेश चंद खंडेलवाल भी कहते हैं कि हर जगह सुरक्षा और सतर्कता जरुरी है। कभी–कभी छोटी सी लापरवाही भयावह रुप धारण कर लेती है।

राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार–2026 के लिए आवेदन 13 जुलाई तक

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक–शिक्षिकाओं के लिए राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार–2026 की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। पात्र शिक्षक–शिक्षिकाएं 10 जुलाई तक राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन स्व–नामांकन कर सकते हैं, जबकि आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) के निर्देशों के अनुसार ऐसे शिक्षक–शिक्षिकाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिन्होंने शिक्षा में नवाचार, छात्र हित, विद्यालय विकास, सामुदायिक सहभागिता और अन्य शैक्षिक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आवेदनों की जांच जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की चयन समितियों द्वारा की जाएगी। डीआईओएस ने सभी राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से कहा है कि वे विद्यालयों के नोटिस बोर्ड और अन्य माध्यमों से पात्र शिक्षक–शिक्षिकाओं को आवेदन के लिए प्रेरित करें, ताकि जिले से अधिकाधिक शिक्षक इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित हो सकें। चयनित शिक्षकों को सितंबर में शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।